नई दिल्ली ■ रविवार 10 मई 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 42 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा बेहद जरूरी | 07 डब्ल्यूएफआई ने विनेश को नोटिस जारी किया | रश्मिका मंदाना ने 'माइसा' की शूटिंग पूरी होने पर जताई खुशी 08

प.बंगाल के नौवें सीएम के रूप में शुभेंदु अधिकारी ने ली शपथ

पांच अन्य विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली, अन्य मंत्रियों के नामों की घोषणा बाद में की जाएगी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शनिवार को शपथ ली। इसके साथ ही राज्य के राजनीतिक इतिहास में भगवा राजनीति का एक बड़ा मोड़ आया और ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड सत्ता परिवर्तन के इस अहम क्षण का गवाह बना।

राज्यपाल आर एन रवि ने 'जय श्रीराम' के नारों, ढोल की थाप और लहराते भगवा झंडों के बीच शुभेंदु अधिकारी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री इस भव्य समारोह में शामिल हुए। भवानीपुर और नंदीग्राम, दोनों निर्वाचन क्षेत्रों से जीत हासिल करने वाले अधिकारी ने सबसे पहले शपथ ली। उनके बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने मंत्री के रूप में शपथ ली।

इसके बाद भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निशीथ प्रामाणिक को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। यह छह सदस्यीय मंत्रिपरिषद राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत राज्य में शासन की चुनौतियों से पहले सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने की भाजपा की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। घोष खड़गपुर सदर, पॉल आसनसोल दक्षिण, कीर्तनिया बनगांव उत्तर, टुडू रानीबांध और प्रामाणिक कूचबिहार जिले के माथाभांगा से जीते हैं। मंत्रियों के विभागों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले अन्य विधायकों के नामों की घोषणा बाद में की जाएगी। ब्रिगेड परेड ग्राउंड को कभी वाम दलों का वैचारिक गढ़ माना जाता था और बाद में तृणमूल कांग्रेस ने भी इसे अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने के प्रमुख मंच के रूप में इस्तेमाल किया। शनिवार को यही मैदान स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार के शपथग्रहण का स्थल बना। भाजपा खेमे ने इसे 'डबल इंजन' सरकार के तहत 'सोनार बांग्ला' की शुरुआत के रूप में पेश किया। भाजपा नेता 'डबल इंजन' शब्द का इस्तेमाल केंद्र और राज्य, दोनों में पार्टी की सरकार होने के संदर्भ में करते हैं। भगवा गमछा पहने और पार्टी के झंडे लिए हजारों कार्यकर्ता सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर जुटने लगे। बड़े एलईडी स्क्रीन पर मोदी और अधिकारी के चुनावी भाषण दिखाए गए।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के साथ ही मैदान क्षेत्र में 'भारत माता की जय' और 'बंगाल वांट्स बीजेपी' (बंगाल भाजपा की सरकार चाहता है) के नारे गूंज उठे। भाजपा ने हाल में हुए चुनाव में 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीट हासिल कीं। इसके साथ ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत हुआ और पूर्वी भारत में भाजपा ने अपनी अब तक की सबसे बड़ी चुनावी सफलता हासिसल की। तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ भाजपा के आक्रामक अभियान का चेहरा बनकर उभरे अधिकारी को मुख्यमंत्री पद का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा था। उन्हें शुक्रवार को शाह की मौजूदगी में सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया, जिससे पार्टी के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर अटकलों पर औपचारिक रूप से विराम लग गया।

समारोह में केंद्रीय मंत्री, भाजपा सांसद, उद्योगपति, फिल्मी हस्तियां, संत और धार्मिक नेता शामिल हुए तथा इस तरह शपथग्रहण समारोह एक बड़े राजनीतिक आयोजन में बदल गया, जिसे पार्टी ने बंगाल के लिए 'ऐतिहासिक सवेरा' बताया। भाजपा के लिए कभी बेहद कठिन राजनीतिक क्षेत्र माने जाने वाले राज्य में पार्टी का उदय पिछले कई वर्षों में आक्रामक जमीनी विस्तार, ध्रुवीकरण वाले अभियानों और प्रतिद्वंद्वी खेमों से दलबदल के माध्यम से गति पकड़ता रहा तथा अंततः पार्टी ने जीत हासिल कर शनिवार को सत्ता संभाल ली।

पीएम मोदी ने मंच पर छूए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सहयोगी माखनलाल सरकार के पैर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पहली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में एक भावुक और ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच पर मौजूद 97 वर्षीय वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता माखन लाल सरकार के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इस दृश्य ने समारोह में मौजूद लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। माखनलाल सरकार भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के करीबी सहयोगियों में रहे हैं। भाजपा नेताओं के अनुसार कश्मीर आंदोलन के दौरान श्यामा प्रसाद मुखर्जी के ऐतिहासिक दौरे में भी माखनलाल सरकार उनके साथ थे। उस समय कश्मीर में तिरंगा फहराने के अभियान के बाद श्यामा प्रसाद मुखर्जी को गिरफ्तार किया गया था और जेल में उनकी रहस्यमयी मौत हो गई थी। बताया जाता है कि उस दौरान माखनलाल सरकार भी उनके साथ जेल में बंद थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व लोकसभा सांसद शमिक भट्टाचार्य ने मंच से माखनलाल सरकार का परिचय देते हुए कहा कि 1952 के कश्मीर आंदोलन में उन्हें गिरफ्तार किया गया था और वे श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अंतिम दिनों के करीबी साथी रहे। माखनलाल सरकार ने उत्तर बंगाल में पार्टी संगठन खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई थी।

संक्षिप्त खबरें

सीएम योगी ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट, मंत्रिपरिषद विस्तार की अटकलें तेज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार शाम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से लखनऊ स्थित 'जन भवन' में शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के बाद राज्य में मंत्रिपरिषद विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं। 'जन भवन' की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें श्री लालचंद राम द्वारा लिखित पुस्तक 'भारतीय ज्ञान परंपरा अवधारणा' भेंट की। राज्यपाल से मुख्यमंत्री की इस मुलाकात के राजनीतिक निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। राज्य में लंबे समय से मंत्रिपरिषद विस्तार की चर्चाएं चल रही हैं और माना जा रहा है कि इस पर जल्द निर्णय हो सकता है। पश्चिम बंगाल और असम समेत कई राज्यों में हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि उत्तर प्रदेश सरकार में भी जल्द विस्तार संभव है। उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में अधिकतम 60 मंत्री हो सकते हैं, जबकि वर्तमान में कुछ मंत्री पद रिक्त बताए जा रहे हैं। अगले वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंत्रिपरिषद विस्तार को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कुछ राजनीतिक जानकारों का दावा है कि यह विस्तार रविवार या सोमवार तक हो सकता है।

कर्नाटक के तुमकुरु में ट्रक-कार की टक्कर, चार लोगों की मौत

तुमकुरु। कर्नाटक के तुमकुरु जिले के कुनिगल तालुक स्थित होन्नेनहल्ली के पास शनिवार को हुए एक सड़क हादसे में आल्टो कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब उर्वरक से भरे एक ट्रक और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई, जिससे कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों को बाहर निकलने का कोई मौका नहीं मिला। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर कुनिगल पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। क्षतिग्रस्त कार से शवों को निकालने में पुलिस और स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मृतकों की पहचान मंड्या जिले के स्वर्णसंद्र निवासी कुमार नरसिम्हास्वामी, उनकी पत्नी गायत्री (60), उनकी बहन गायत्री (55) और कार चालक के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, कुमार नरसिम्हास्वामी अपनी पत्नी और बहन के साथ शुक्रवार को तुमकुरु आए थे।

बिहार: रेलवे फाटक पर अवैध सीसीटीवी कैमरा मिलने से हड़कंप

पटना। बिहार के समस्तीपुर रेल मंडल अंतर्गत वैशाली जिले के सराय रेलवे स्टेशन स्थित समपार फाटक संख्या-43 पर संदिग्ध परिस्थितियों में अवैध रूप से सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद रेलवे प्रशासन और आरपीएफ में हड़कंप मच गया है। सराय रेलवे स्टेशन पर तैनात स्टेशन अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि 07 मई को दोपहर लगभग 2 बजे समपार फाटक संख्या-43 एसपीएल पर ड्यूटी कर रहे गेटमैन संतोष कुमार ने सूचना दी कि दो अज्ञात व्यक्तियों ने पश्चिमी हाइट गेज पोल पर एक सीसीटीवी कैमरा लगा दिया और मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही स्टेशन अधीक्षक ने इसकी जानकारी सराय कैंपिंग ड्यूटी में तैनात आरपीएफ प्रधान आरक्षी अवधेश राम को दी। इसके बाद दोनों मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि हाइट गेज के पश्चिमी पोल पर लगभग 10 फीट की ऊंचाई पर एक सोलर प्लेट और छोटा कैमरा लगाया गया था।

ED रेड के बाद पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा गिरफ्तार

मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में हुआ एक्शन

चंडीगढ़। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने करीब 10 घंटे तक पूछताछ के बाद चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। ईडी की टीम ने यह कार्रवाई 157 करोड़ की फर्जी बिक्री तथा फर्जी शैल कंपनियों के माध्यम से पैसों की लेन-देन के आधार पर किया है। मंत्री की गिरफ्तारी के साथ ही पंजाब की राजनीति गरमा गई है।

पंजाब के मुख्यमंत्री समेत तमाम मंत्री संजीव अरोड़ा के समर्थन में आ गए हैं। वहीं, विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा अकाली दल ने आम आदमी पार्टी का विरोध किया है। ईडी की टीमों ने पिछले 20 दिन में शनिवार को दूसरी बार छापा मारा। ईडी की टीमों ने आज सुबह कार्रवाई शुरू की। दोपहर करीब एक बजे चंडीगढ़ आवास पर पंजाब के ऊर्जा एवं उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद ईडी ने कागजी कार्रवाई पूरी की। बताया जाता है कि ईडी की टीमों ने अरोड़ा के आवास से लैपटॉप तथा कंपनियों के दस्तावेज भी अपने कब्जे में लिए।

इसके बाद करीब पांच बजे ईडी की टीमों ने संजीव अरोड़ा को आधिकारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद ईडी उन्हें दिल्ली ले गई जहां आगे की पूछताछ होगी। ईडी सूत्रों के अनुसार, संजीव अरोड़ा ने अपनी फर्मों के जरिए मोबाइल खरीद की करीब 157.12 करोड़ रुपए की फर्जी बिक्री और शेल कंपनियों के माध्यम से फर्जी एक्सपोर्ट किए। इसके अलावा, दुबई से भारत में अवैध रकम की राउंड-ट्रिपिंग के लिए इन सामानों के एक्सपोर्ट का इस्तेमाल किया।

तमिलनाडु में वीसीके ने टीवीके को दिया समर्थन

विजय आज लेंगे सीएम पद की शपथ

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में पिछले कई दिनों से चला आ रहा सियासी सस्पेंस आखिरकार समाप्त हो गया है। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत मिल गया है। विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) ने शनिवार को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा कर दी, जिसके बाद विजय के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता लगभग साफ हो गया है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटों पर जीत दर्ज की थी। पहली बार चुनाव मैदान में उतरी किसी पार्टी के लिए यह प्रदर्शन ऐतिहासिक माना जा रहा है। 234 सदस्यीय विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता थी, जबकि टीवीके बहुमत से कुछ सीटें पीछे रह गई थी। चुनाव परिणाम आने के बाद

सबसे पहले कांग्रेस ने अपने पांच विधायकों का समर्थन विजय को देने की घोषणा की। इसके बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने भी अपने-अपने दो विधायकों का समर्थन दिया।

इन समर्थन पत्रों के बाद टीवीके के पक्ष में कुल संख्या 117 तक पहुंच गई थी। इसके बाद पूरे राज्य की निगाहें वीसीके पर टिक गई थीं। शनिवार शाम हुई पार्टी की अहम बैठक में टीवीके को समर्थन देने पर सहमति बनी। वीसीके ने बिना किसी शर्त के विजय को समर्थन पत्र सौंप दिया। पार्टी के दो विधायकों के समर्थन के बाद टीवीके के समर्थन में कुल संख्या 118 हो गई, जो सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत का आंकड़ा है। टीवीके नेता अर्जुन ने कांग्रेस, वामपंथी दलों और वीसीके प्रमुख थोल. थिरुमावलवन का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि विजय मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और जल्द ही नई सरकार का गठन किया जाएगा। इस बीच राज्य की राजनीति में एक और मोड़ तब आया, जब इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने पहले टीवीके को समर्थन देने से इनकार किया, लेकिन बाद में समर्थन दे दिया। राजनीतिक हलकों में इसे सत्ता गठन की दिशा में बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विजय को 10 मई तक बहुमत साबित करने का समय दिया था। पिछले कुछ दिनों में विजय ने कई बार राज्यपाल से मुलाकात कर समर्थन पत्र सौंपे।

विजय ने शनिवार को सरकार बनाने के लिए 121 विधायकों के समर्थन पत्र राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को सौंपा। कांग्रेस, CPI, CPI(M), VCK और IUML के समर्थन से TVK अब बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों के आंकड़े से आगे निकल गई है।

होर्मुज स्ट्रेट के पास नौका में आग लगने से भारतीय नाविक की मौत, चार घायल

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य (होर्मुज स्ट्रेट) के पास आम सामान ले जा रही एक लकड़ी की नौका (धौ) आग लगने के बाद पलट गई। हादसे में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। नौका पर कुल 18 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकारी सूत्रों के अनुसार सामान लेकर जा रही यह लकड़ी की नौका गुरुवार को आग लगने के बाद पलट गई। आग लगने के सही कारणों का अभी पता लगाया जा रहा है। हादसे के बाद वहां से गुजर रहे एक अन्य पोत ने चालक दल के सदस्यों को बचाया।

बैंक धोखाधड़ी: मुंबई में अनिल अंबानी समूह के 17 ठिकानों पर CBI का छापा

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अनिल अंबानी समूह से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामलों में शनिवार को मुंबई में 17 स्थानों पर व्यापक छापेमारी की।

यह कार्रवाई रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड तथा

उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज मामलों में की गई।

सीबीआई के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम को हजारों करोड़ रुपये के कथित नुकसान से जुड़े मामलों की जांच जारी है।

यह छापेमारी 08 मई को मुंबई स्थित सीबीआई मामलों की विशेष अदालत द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर की गई। जांच एजेंसी ने निदेशकों के आवासीय परिसरों के अलावा उन मध्यस्थ कंपनियों के कार्यालयों में भी तलाशी ली।

भारत ने 'अग्नि' मिसाइल के उन्नत संस्करण का परीक्षण किया

नई दिल्ली। भारत ने ओडिशा तट से दूर 'मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल' (एमआईआरवी) से लैस उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया है।

एमआईआरवी एक बैलिस्टिक मिसाइल 'पेलोड' है जिसमें कई अस्त्र होते हैं, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग लक्ष्यों पर स्वतंत्र रूप से हमला करने में सक्षम होता है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मिसाइल प्रणाली का परीक्षण शुक्रवार को किया गया। इसने कहा कि भारत ने आठ मई को ओडिशा स्थित एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से एमआईआरवी प्रणाली से लैस उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल का कई 'पेलोड' के साथ परीक्षण किया गया, जिसमें हिंद महासागर के एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में फैले विभिन्न लक्ष्यों को निशाना बनाया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि होंगे अगले सीडीएस

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को देश का नया प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) नियुक्त किया गया है और उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती उस महत्वाकांक्षी 'थिएटराइजेशन' योजना को लागू करने की होगी, जिसका मकसद तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है।

सुब्रमणि, जनरल अनिल चौहान का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 मई को समाप्त हो रहा है। फिलहाल राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि को पाकिस्तान और चीन मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। वह पिछले साल 31 जुलाई को थलसेना उपप्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

उन्हें पश्चिमी मोर्चे पर भारतीय सेना की प्रमुख स्ट्राइक कोर सहित दो कोर की कमान संभालने का गौरव भी प्राप्त है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि (सेवानिवृत्त) को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो सैन्य मामलों के विभाग के सचिव की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। सीडीएस के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि का प्राथमिक दायित्व एकीकृत सैन्य कमान स्थापित कर 'थिएटराइजेशन मॉडल' को लागू करना होगा, ताकि तीनों सेनाओं के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जा सके।

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को शनिवार को भारत का अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया गया। वह एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लेंगे जो 31 मई को सेवानिवृत्त होंगे। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन फिलहाल पश्चिमी नौसेना कमान के 'फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ' के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है। नौसेना प्रमुख के रूप में उनका ध्यान सैन्यबल के जारी आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रहने की संभावना है।

बहन के लिए अपमानजनक शब्द कहने पर हुआ था दोहरा हत्याकांड

पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान आरोपित को किया गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के निर्माणाधीन एक हॉस्टल में शुक्रवार को हुए दोहरे हत्याकांड के मामले में वांछित बदमाश को थाना पुलिस ने शनिवार को एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है।

पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि उसकी बहन के प्रति मृतकों में से एक ने अपमानजनक शब्द कहा था। इसके बाद उसने यह कदम उठाया। पुलिस उपायुक्त जोन तृतीय डॉक्टर प्रवीन रंजन सिंह ने बताया कि थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में निर्माणाधीन एक हॉस्टल में माली का काम करने आए शीशपाल (25) तथा इंद्रपाल (50) की फावड़ा से काटकर हत्या कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि उनके साथ अभिषेक (14) नामक युवक भी काम करने आया था। वह घटना के समय से फरार था। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि अभिषेक ने दोनों की फावड़े से काटकर हत्या की और मौके से भाग गया। डीसीपी ने बताया कि अभिषेक की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगी थीं। शनिवार सुबह पुलिस को पता चला कि वह रेलवे लाइन के पास भागने की फिराक में खड़ा है।

पुलिस ने घेराबंदी करके उसे घेर लिया। अपने आपको पुलिस से घिरा हुआ देख आरोपित ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। पुलिस उपायुक्त ने बताया की जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली अभिषेक के दाहिने पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा, कारतूस बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि मृतक शीशपाल ने उसकी बहन के लिए कुछ अपशब्द कह दिया था। उसकी नाबालिक बहन से मृतक शीशपाल के अवैध संबंध थे। वर्ष 2023 में उसकी बहन की किसी वजह से मौत हो गई थी।

घटना वाले दिन मदिरा पीने के बाद शीशपाल ने शराब के नशे में उसकी बहन के लिए काफी अपमानजनक व अश्लील बातें कहीं। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि तीनों तीन पव्वा शराब खरीद कर लाए थे। अभिषेक ने अपमान का बदला लेने के लिए मदिरा कम पिया तथा दोनों को ज्यादा पिलाया। जब दोनों मदिरा पीकर बेहोश होकर सो गए तो उसने फावड़ा से शीशपाल के ऊपर हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसी बीच इंद्रपाल जग गया तो उसने उसके ऊपर भी हमला कर उसकी भी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का बुल्डोजर एक्शन, 40 करोड़ रुपये की अवैध कॉलोनी ध्वस्त

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अधिसूचित क्षेत्र ननवा का राजपुर में लगभग 20 हजार वर्ग मीटर जमीन पर किए जा रहे अवैध निर्माण पर बुल्डोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण के अनुसार कब्जा की गई जमीन की अनुमानित कीमत करीब 40 करोड़ रुपये है। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर भूलेख और परियोजना विभाग की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की।

बताया गया कि कालोनाइजर ननवा का राजपुर के खसरा नंबर 156 व आसपास की जमीन पर अवैध प्लॉटिंग और निर्माण कर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने चेतावनी देते हुए कहा कि अधिसूचित क्षेत्र में बिना अनुमति या नक्शा पास कराए किए जाने वाले अवैध निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि ग्रेटर नोएडा में जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से पूरी जानकारी अवश्य प्राप्त करें, ताकि अवैध कॉलोनियों में निवेश से बचा जा सके। प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि शनिवार को ओएसडी रामनयन सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह और अन्य अधिकारियों ने सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी में कार्रवाई को अंजाम दिया। करीब दो घंटे तक चली इस कार्रवाई के दौरान अवैध निर्माणों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि दोबारा अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षाविदों ने नई शिक्षा नीति पर की चर्चा

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में प्रिंसिपल मीट 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक स्कूलों के प्रिंसिपल, शिक्षाविद एवं शिक्षा विशेषज्ञों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गयी, तथा स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच शैक्षणिक समन्वय को मजबूत बनाने पर विमर्श किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में केवल अंकों पर आधारित शिक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान, कौशल विकास और व्यावहारिक शिक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन लेकर आएगा, इसलिए छात्रों को नई तकनीकों और डिजिटल शिक्षा से जोड़ना समय की मांग है। आईएमएस नोएडा के सलाहकार प्रोफेसर (डॉ.) जेके शर्मा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, तकनीक और स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देकर ही विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार किया जा सकता है। छात्रों के जीवन में कौशल आधारित शिक्षा, डिजिटल लर्निंग, कम्युनिकेशन स्किल्स और व्यक्तित्व विकास जैसे विषयों को भी महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल परीक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें व्यावहारिक एवं रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना है। आईएमएस नोएडा द्वारा आयोजित "प्रिंसिपल मीट 2026" में दिल्ली, फरीदाबाद, मेरठ, पंजाब, नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं गाजियाबाद के लगभग 100 स्कूलों के प्रिंसिपल, शिक्षाविद एवं शिक्षा विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा क्षेत्र की भविष्य की चुनौतियों और उभरते अवसरों पर विस्तार से विमर्श किया गया। चर्चा के दौरान नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अंतर्गत स्किल बेस्ड लर्निंग, क्रिएटिव एजुकेशन मॉडल, डिजिटल लर्निंग एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए गए।

मानसिक तनाव के चलते नोएडा के अलग-अलग स्थानों पर दो युवकों ने की आत्महत्या

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में थाना फेस-2 क्षेत्र के इलाहाबास गांव में रहने वाले एक युवक ने शनिवार सुबह को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। थाना फेस-2 के प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि इलाहाबास गांव में रहने वाले राहुल कुमार (22) पुत्र उदय सिंह ने आज सुबह अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आत्महत्या के कारण का पता लग रही है। वहीं एक अन्य घटना के संबंध में थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि सेक्टर 47 के कश्यप कालोनी मे रहने वाला संजीव (16) पुत्र रामसेवक टेंट हाउस में काम करता था। उसने शनिवार सुबह अपने घर में पंखे से फंदा लगा लिया। उसके भाई ने जब उसे फंदे से लटके हुए देखा तो उसे उतार कर नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

30 हजार रुपये की मांग पूरी न होने पर सभासद पर हमला

दादरी। कोतवाली दादरी क्षेत्र के नगर स्थित खेत में सभासद पर तमंचा से जानलेवा हमला किया गया। आरोप है कि 30 हजार रुपए प्रति माह की मांग पूरी नहीं किए जाने पर उन पर हमला हुआ। मामले में न्यायालय के आदेश पर कोतवाली में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एसीपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि न्यादर गंज मोहल्ले के अक्षय शर्मा नगर परिषद के सभासद हैं। उन्होंने बताया कि 10 मार्च को कपिल देव शर्मा उनके खेत पर पहुंचा और कहने लगा कि बाबा के इंटर कॉलेज के बाहर 10 ठेले खड़े करवा दो। पीड़ित का आरोप है कि विरोध करने पर कपिल ने तमंचा दिखाकर डराया और 10 ठेले लगवाने या 30 हजार प्रति माह देने की धमकी दी।

स्कूलों में मातृ दिवस की धूम, बच्चों ने मां के सम्मान में दीं प्रस्तुतियां

दादरी। मातृ दिवस के अवसर पर दादरी क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में शनिवार को रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, गीत-संगीत और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से माताओं के प्रति सम्मान और प्रेम व्यक्त किया। दुजाना गांव स्थित रामकौर बालिका विद्यालय में उम्मीद संस्था की ओर से मातृ दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था के सदस्य अरुण नागर के सहयोग से प्रत्येक छात्रा को छह-छह नोटबुक वितरित की गईं, ताकि उनकी शिक्षा निरंतर जारी रह सके। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक देवेंद्र कुमार नागर और अरुण नागर ने विद्यालय की शिक्षिकाओं को सम्मानित भी किया। वहीं रेलवे रोड स्थित होली चाइल्ड एकेडमी स्कूल में विद्यार्थियों ने गायन प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। स्कूल की बैंड टीम ने मां को समर्पित गीत प्रस्तुत किए। विद्यालय के निदेशक एन.के. शर्मा ने कहा कि मां सृष्टि की सबसे बड़ी सृजनकर्ता होती है और उसका स्थान सबसे ऊंचा है। बिसाहड़ा रोड स्थित रामाज्ञा स्कूल में नर्सरी से लेकर कक्षा पांच तक के बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की प्रस्तुतियों को देखकर अभिभावक भावुक हो उठे। विद्यालय की प्रधानाचार्या रीना गुप्ता ने कहा कि माता-पिता का ऋण कभी नहीं उतारा जा सकता। इसके अलावा सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल में भी मातृ दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों और उनकी माताओं ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधानाचार्या आशा शर्मा ने कहा कि मां बच्चों के जीवन की पहली गुरु होती है और उनके व्यक्तित्व निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रमों के दौरान अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा, परवरिश और सकारात्मक पालन-पोषण से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी भी दी गई।

नोएडा में टूर पैकेज के नाम पर करोड़ों की ठगी, रेंजर्स क्लब के तीन डायरेक्टर गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने टूर पैकेज बुकिंग के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाली कंपनी 'रेंजर्स क्लब' के तीन डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पर्यटन मंत्रालय के 3 फर्जी आई कार्ड, 180 फर्जी विजिटिंग कार्ड, 14 फर्जी मोहरें, 15 फर्जी एमओयू दस्तावेज और 3 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एडीसीपी मनीषा सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि थाना सेक्टर-24 पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर सेक्टर-32 स्थित मॉल से रेंजर्स क्लब कंपनी के तीन डायरेक्टरों इमरान खान, अभय कुमार और शैलेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लोगों को आकर्षक टूर पैकेज का लालच देकर उनसे मोटी रकम वसूलते थे, लेकिन पैकेज में वादा की गई सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराते थे। आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने कई लोगों के साथ इसी तरह की धोखाधड़ी कर करोड़ों रुपये कमाए। आरोपियों ने यह भी बताया कि लोगों को भरोसे में लेने के लिए उन्होंने पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर रखे थे। इन्हें दिखाकर वे ग्राहकों को प्रभावित करते और टूर पैकेज खरीदने के लिए लुभाते थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के बैंक खातों व अन्य दस्तावेजों की भी पड़ताल की जा रही है।

एमिटी विश्वविद्यालय में हुआ पूर्व छात्र मिलन समारोह

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 50 से अधिक पूर्व छात्रों ने अपने कॉलेज के दिनों को याद करते हुए वर्तमान छात्रों के साथ अपने अनुभव को साझा किया। एजुकेशन विभाग के डीन डा. एस के श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व छात्र एमिटी के ब्रांड एंबेसडर हैं, जो आज भी पूरे विश्व में एमिटी का नाम रौशन कर रहे है। एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ एजुकेशन की प्रमुख डा. अलका मुदगल ने कहा कि किसी भी छात्र के लिए पूर्व छात्र मिलन समारोह बेहद महत्वपूर्ण होता है जहां वो अपने जीवन के बीते सबसे अच्छे समय को याद करता है।

दिल्ली-एनसीआर में फिर बदलेगा मौसम

11-12 मई को आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली। नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली सहित पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मई माह में एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है। पिछले कुछ दिनों से साफ और शुष्क मौसम के बाद अब 11 और 12 मई को मौसम विभाग (आईएमडी) ने यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज आंधी, बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग की मानें तो 11 मई को दिनभर मौसम का मिजाज बदला रहेगा। अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं पूर्वान्ह के समय हल्की बारिश के साथ गरज-चमक और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। शाम के समय फिर से बहुत हल्की बारिश, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है। अलर्ट में 'थंडरस्टॉर्म विद रेन' यानी आंधी और

बारिश की बात कही गई है। 12 मई को भी ऐसा ही मौसम रहेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए जाने का अनुमान है। हालांकि इस दिन नमी का स्तर थोड़ा बढ़कर 70 से 35 प्रतिशत तक रह सकता है। 12 मई को भी दोपहर और शाम के समय बहुत हल्की बारिश के साथ गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की तेज हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए 'नो वॉर्निंग' की जगह स्पष्ट रूप से यलो अलर्ट जारी कर दिया है। इससे पहले 9 और 10 मई को मौसम साफ रहेगा। 9 मई को अधिकतम तापमान 36 और न्यूनतम 24 डिग्री, जबकि 10 मई को अधिकतम 38 और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 13 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जिसमें अधिकतम तापमान 36 और न्यूनतम 26 डिग्री रहेगा। वहीं 14 मई को मुख्य रूप से साफ आसमान रहेगा, तापमान 36 से 24 डिग्री और नमी 60 से 30 प्रतिशत रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, बढ़ती गर्मी के बीच यह बारिश और तेज हवाएं लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत देंगी।

सोनार बांग्ला के सपने को साकार करेगी शुभेंदु सरकार : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को पश्चिम बंगाल में नवनिर्वाचित भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुईं। रेखा गुप्ता ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताया और बंगाल की जनता को नमन करते हुए कहा कि शुभेंदु सरकार सोनार बांग्ला के सपने को साकार करेगी। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि पिछले 15 वर्षों में बंगाल की जनता ने अत्याचार, दमन और भ्रष्टाचार का दौर देखा, लेकिन अब जनता ने सोनार बांग्ला के सपने को साकार करने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से बदलाव का फैसला किया है।

आज का दिन बंगाल के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है, जहां विकास और विश्वास के साथ राज्य आगे बढ़ेगा और पूरे देश के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा। रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान जिस तरह भ्रष्टाचार और अत्याचार की घटनाएं सामने आती थीं, अब उस दौर का अंत हो चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सरकार के नेतृत्व में बंगाल में सुशासन, विकास और जनकल्याण को प्राथमिकता मिलेगी। शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी सरकार ने एक सकारात्मक संदेश दिया है कि अब बंगाल का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने शुभेंदु अधिकारी और बंगाल की जनता को दिल्ली की ओर से हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल राजनीतिक आंकड़ों की जीत नहीं है, बल्कि उन 321 भाजपा कार्यकर्ताओं के बलिदान की भी जीत है, जिन्होंने बंगाल के बेहतर भविष्य और सोनार बांग्ला के सपने के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। इन कार्यकर्ताओं ने अपना बलिदान केवल भाजपा के लिए नहीं, बल्कि बंगाल की आने वाली पीढ़ियों और लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में महिलाओं, युवाओं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर जिस तरह अत्याचार हुए, उसने लोकतंत्र को शर्मसार किया। जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब दिया है और अब बदलाव की नई सुबह शुरू हुई है।

सरकारी विद्यालयों की बदहाली पर कांग्रेस का हमला, देवेंद्र यादव ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर सरकारी विद्यालयों की स्थिति को लेकर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि विद्यालयों के व्यापक संरचनात्मक परीक्षण की घोषणा केवल दिखावा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 महीनों में भारतीय जनता पार्टी सरकार विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रही है। देवेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा रूप नगर स्थित सर्वोदय विद्यालय के निरीक्षण के बाद सरकारी विद्यालयों में पेयजल, स्वच्छ शौचालय, भवनों की मजबूती, अग्नि सुरक्षा प्रबंध, शिक्षकों की उपलब्धता और भीषण गर्मी से बचाव की व्यवस्थाओं को लेकर जो बातें कही गईं, वे केवल घोषणाओं तक सीमित रहीं। उन्होंने कहा कि सरकार ने धरातल पर कोई ठोस कार्य नहीं किया और अब परीक्षण के नाम पर अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों की हिस्सेदारी लगभग 22.9 प्रतिशत है, जबकि इनमें विद्यार्थियों का नामांकन केवल 39.8 प्रतिशत रह गया है। उनके अनुसार यह स्थिति सरकारी शिक्षा व्यवस्था की गिरती विश्वसनीयता को दर्शाती है। उन्होंने दावा किया कि पिछले शैक्षणिक सत्र में लगभग 30 हजार विद्यार्थियों की संख्या कम हुई, जिसका मुख्य कारण शिक्षा की गिरती गुणवत्ता और विद्यालयों में सुविधाओं का अभाव है। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि सरकारी विद्यालयों की बदहाली की शुरुआत आम आदमी पार्टी सरकार के समय से हुई। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था के नाम पर जनता को भ्रमित किया।

साइबर अपराध से मिले धन के लेनदेन में शामिल तीन खातों के संचालक गिरफ्तार: दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फर्जी आईपीओ निवेश, 'डिजिटल अरेस्ट' और विदेशी मुद्रा कारोबार के नाम पर साइबर ठगी कर प्राप्त करीब 1.22 करोड़ रुपये की रकम की लेनदेन करने के लिए अपने खाते का मुहैया कराने के आरोप में गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि साइबर प्रकोष्ठ और अपराध शाखा ने साइबर धोखाधड़ी के तीन मामलों का खुलासा किया है, जिनमें पीड़ितों से सोशल मीडिया समूहों, फर्जी वेबसाइट और प्रतिरूपण के माध्यम से फर्जी वित्तीय योजना का प्रलोभन देकर ठगी की थी। पुलिस ने बताया कि 30 मई, 2025 को दर्ज कराई गई पहली प्राथमिकी के मुताबिक पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर के एक निवासी से कथित तौर पर फर्जी शेयर बाजार और आईपीओ योजना का प्रलोभन देकर करीब 46.66 लाख रुपये की ठगी गई। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि ठगी करने के बाद 6.71 लाख रुपये की राशि सूरत स्थित एक कंपनी के बैंक खाते में जमा कराई गई। खाते के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता, जिसकी पहचान राजेश रत्नाभाई हाडिया के रूप में हुई, को गुजरात से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि हाडिया ने कथित तौर पर कमीशन के आधार पर

साइबर अपराध से प्राप्त राशि के लेनदेन को अंजाम देने के लिए बैंक खाता उपलब्ध कराया था। यह खाता राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर दर्ज तीन शिकायतों से जुड़ा पाया गया, जिनमें वर्तमान मामला भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि 14 अप्रैल दर्ज कराई गई दूसरी प्राथमिकी के मुताबिक शिकायतकर्ता को कथित तौर पर मुंबई अपराध शाखा, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) के अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करने वाले साइबर ठगों ने 'डिजिटल अरेस्ट' किया। पुलिस के एक अधिकारी ने, "गिरफ्तारी का डर दिखाकर पीड़ित से ठगों ने कई बैंक खातों में 36.19 लाख रुपये स्थानांतरित कराएं।" उन्होंने बताया कि जांच में राजस्थान के कोटा स्थित एक फर्म से जुड़े खातों में 5.90 लाख रुपये जमा कराने की जानकारी मिली। अधिकारी के मुताबिक मामले में पुलिस ने मुसावीर खान को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर कमीशन के आधार पर धोखाधड़ी से प्राप्त राशि के लेनदेन के लिए एक वित्तीय परामर्श फर्म के माध्यम से कई बैंक खाते संचालित करता था। पुलिस के मुताबिक नवंबर 2025 में दर्ज तीसरे मामले में, दिल्ली के गगन विहार एक्सटेंशन के एक निवासी ने सोशल मीडिया के माध्यम से विदेशी मुद्रा का कारोबार करने के नाम पर 40.12 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप लगाया। उसने बताया कि पीड़ित को शुरू में विश्वास हासिल करने के लिए छोटी-छोटी रकम निकालने की अनुमति दी गई थी, लेकिन बाद में बड़ी रकम जारी करने के लिए अतिरिक्त शुल्क और कर जमा करने के लिए कहा गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि धोखाधड़ी से प्राप्त 8.82 लाख रुपये की राशि शुभम राठौर के खाते में जमा की गई थी, जिसे भोपाल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि अक्टूबर और नवंबर 2025 के बीच उसके खाते में 1.38 करोड़ रुपये की संदिग्ध लेनदेन की जानकारी मिली। यह खाता कथित तौर पर एनआरसीपी पोर्टल पर दर्ज 15 साइबर अपराध शिकायतों से जुड़ा हुआ है।

करोल बाग मेट्रो स्टेशन पर चोरी का खुलासा, तीन महिलाएं गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की मेट्रो यूनिट ने करोल बाग मेट्रो स्टेशन पर हुई चोरी की वारदात का महज कुछ घंटों में खुलासा करते हुए तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की नकदी और चांदी की पायल भी बरामद कर ली है।मेट्रो डीसीपी बी. भारत रेड्डी ने बताया कि 5 मई को राजा गार्डन मेट्रो थाने में ई-एफआईआर दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता उत्तम नगर निवासी पी. नागा लक्ष्मी ने बताया कि वह करोल बाग मेट्रो स्टेशन के टिकट काउंटर पर लाइन में खड़ी थीं, तभी उनके बैग से पर्स चोरी हो गया। पर्स में करीब 6 हजार रुपये नकद, चांदी की पायल, रुद्राक्ष का दाना और आधार कार्ड रखा हुआ था।मामले की गंभीरता को देखते हुए मेट्रो यूनिट की एक विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने मेट्रो स्टेशन और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी निगरानी और

फुटेज विश्लेषण के जरिए तीन संदिग्ध महिलाओं की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तीनों महिलाओं को शादीपुर मेट्रो स्टेशन से पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने 4500 रुपये नकद और चोरी की गई चांदी की पायल बरामद कर ली।गिरफ्तार महिलाओं की पहचान सोनिया (27), शारदा राजूजी साइकवाड (32) और नैना (24) के रूप में हुई है। तीनों आनंद पर्वत इलाके की रहने वाली हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। मामले की आगे जांच जारी है।

तुर्कमान गेट में कुख्यात बदमाश गिरफ्तार, देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। मध्य जिले की थाना चांदनी महल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तुर्कमान गेट इलाके से एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। गिरफ्तार बदमाश पर पहले से करीब 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें ज्यादातर आर्म्स एक्ट से जुड़े हैं।सेंट्रल जिले के डीसीपी रोहित राजवीर सिंह ने बताया कि पीपी तुर्कमान गेट के पुलिसकर्मी कांस्टेबल अंकित और कांस्टेबल सौरव इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान महिला पार्क, डीडीए फ्लैट्स, तुर्कमान गेट के पास एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने तुरंत पीछा कर उसे दबोच लिया।पूछताछ में आरोपी की पहचान 42 वर्षीय शहजाद नदीम पुत्र मोहम्मद जाफर निवासी तुर्कमान गेट, दिल्ली के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देसी कट्टा और एक

जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इस मामले में थाना चांदनी महल में केस दर्ज किया गया है। आरोपी को हेड कांस्टेबल ताराचंद ने औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया। मामले की आगे जांच जारी है।पुलिस के मुताबिक आरोपी पहले भी हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, अवैध हथियार रखने और अन्य गंभीर मामलों में शामिल रहा है। उसके खिलाफ दिल्ली के अलग-अलग थानों में 20 मुकदमे दर्ज हैं।

दिल्ली में जल संरक्षण की बड़ी पहल, 77 जल-निकायों के पुनरुद्धार का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने राजधानी में गर्मियों की शुरुआत के साथ जल-संपदाओं के संरक्षण और पुनरुद्धार को लेकर बड़ी पहल की घोषणा की है। उन्होंने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की एक महत्वपूर्ण प्रस्तुति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को तय समयसीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि दिल्ली की अनमोल लेकिन तेजी से खराब हो रही जल-संपदाओं के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि डीडीए तत्काल 77 जल-निकायों के पुनरुद्धार का कार्य शुरू करेगा। इनमें से 6 जल-निकायों का

जीर्णोद्धार अगले 30 दिनों के भीतर, 48 का कार्य 60 दिनों में और शेष 23 जल-निकायों का काम 90 दिनों के भीतर पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजधानी में जल संरक्षण को मजबूत करना बेहद जरूरी है, खासकर ऐसे समय में जब दिल्ली जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है। उपराज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी परियोजनाओं को तेजी से लागू किया जाए और तय समयसीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान दिल्ली के विकास से जुड़ी अन्य प्रमुख परियोजनाओं पर भी चर्चा हुई। खास तौर पर द्वारका, रोहिणी और नरेला उप-शहरों के व्यापक विकास और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजनाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों को इन क्षेत्रों में विकास कार्यों में तेजी लाने और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि इससे पहले हीट वेव एक्शन प्लान को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि सरकार हर स्तर पर पूरी तैयारी के साथ काम कर रही है। सभी विभागों को भी इस मसले पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि भीषण गर्मी में लोगों को कम परेशानी हो। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को राहत देते हुए कहा कि श्रम विभाग के माध्यम से सभी नियोक्ताओं को निर्देश दिया गया है कि दोपहर में कुछ घंटे श्रमिकों को आराम दिया जाए और उन्हें धूप में काम न करना पड़े। साथ ही, उनके लिए पानी, छांव और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करना भी नियोक्ताओं की जिम्मेदारी होगी। स्कूलों को लेकर उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्कूलों में पर्याप्त पानी, पंखा और गर्मी से बचाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। हर बच्चे को स्कूल से छुट्टी से पहले ओआरएस का घोल पिलाकर ही भेजा जाए, ताकि घर लौटते समय उसे गर्मी से राहत मिल सके।

हवाई जहाज से देश के शहरों में जाकर बेचते थे आईपीएल का पास, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने टाटा आईपीएल टिकटों की कालाबाजारी करने वाले एक बड़े रैकेट का खुलासा करते हुए 3 आरोपियों मुकीम, गुफरान उर्फ साजिद और मो फैसल को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 54 मैच टिकट बरामद हुए हैं। इनमें 33 पास शामिल हैं। इन टिकटों पर बिक्री के लिए नहीं लिखा हुआ है। आरोपी एक पास को कम से कम 10 हजार रुपये में बेचते थे। पांच मई को आरसीबी के मैच में तो एक टिकट 20 हजार रुपये तक बिका है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि ये देश के जिस शहर में आईपीएल क्रिकेट मैच होता था ये वहां हवाई जहाज से जाते थे और वहां टिकटों की कालाबाजारी करते थे। जिस मैच की जैसी डिमांड होती थी उसी हिसाब से ये टिकटों के रेट बढ़ा देते थे। ये लोग टिकटों को दोगुनी कीमत पर, या फिर मैच/खरीदार की मांग के अनुसार बेचते थे। इंस्पेक्टर मान सिंह को टिकटों की कालाबाजारी को लेकर 8 मई को सूचना मिली थी। सूचना के बाद इंस्पेक्टर मान सिंह और इंस्पेक्टर सुंदर गौतम की टीम ने दिल्ली गेट के पास एक जाल बिछाया और तीन आरोपियों जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश निवासी मुकीम (35) पुत्र नन्हे खां, जामिया नगर ओखला दिल्ली निवासी गुफरान उर्फ साजिद (36) पुत्र अब्दुल रशीद और सीलमपुर दिल्ली निवासी मोहम्मद फैसल (38) पुत्र हबीबुर रहमान को आईपीएल मैच के टिकटों की कालाबाजारी करते हुए पकड़ लिया। आरोपी, संभावित खरीदारों को झांसा देने और उनके साथ धोखाधड़ी करने के मकसद से, खुद को डीडीसीए का अधिकृत प्रतिनिधि बता रहे थे। पहले भी मामले दर्ज किए जा चुके हैं : इसके अलावा यह भी संज्ञान में आया है कि टिकटों की कालाबाजारी से संबंधित आपराधिक मामले पहले भी दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में उनके खिलाफ दर्ज किए जा चुके हैं। आरोपी गुफरान के खिलाफ नंदनगरी थाने में जालसाजी का मामला दर्ज है। फैसल के खिलाफ दिल्ली के भजनपुर थाने में और पंजाब के सास नगर के थाने में मामले दर्ज हैं। मुकीम के खिलाफ ऑटो एक्सपो, फरीदाबाद, हरियाणा में टिकटों की कालाबाजारी का एक मामला दर्ज है।

नोएडा में सीएक्यूएम को 28 जगहों पर मिली धूल और निर्माण कार्यों के कूड़े के ढेर

नई दिल्ली। राजधानी में प्रदूषण को रोकने के लिए गठित वायु प्रदूषण प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने नोएडा में "ऑपरेशन क्लीन एयर" के तहत विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। इस कार्रवाई में नोएडा की सड़कों पर धूल प्रदूषण और निर्माण एवं विध्वंस कचरे के कई मामले सामने आए। सीएक्यूएम ने शनिवार को अपनी विज्ञप्ति में बताया कि आयोग की 19 फ्लाइंग स्क्वॉड टीमों ने नोएडा अथॉरिटी के तहत आने वाली 46 सड़कों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान 28 जगहों पर भारी सड़क धूल और सीएंड डी वेस्ट जमा मिला। यह लापरवाही और नियमों की अनदेखी नोएडा के सेक्टर 20, 21, 59, 62, 80, 82, 83, 84, 87, 88, 138, 140, 141 और 145 में पाई गई। आयोग ने बताया कि निरीक्षण में कई जगह नियमित सफाई, पानी के छिड़काव और कचरे के वैज्ञानिक निपटान में कमी भी सामने आई। इसके बाद आयोग ने नोएडा अथॉरिटी को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग ने कहा कि मशीनों से नियमित सफाई, पानी का छिड़काव और सीएंडडी वेस्ट का समय पर उठान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अवैध डंपिंग रोकने और निगरानी मजबूत करने के आदेश भी दिए गए हैं। आयोग ने साफ चेतावनी दी है कि धूल नियंत्रण उपायों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आयोग के मुताबिक, सड़क की धूल शहरी प्रदूषण का बड़ा कारण बनी हुई है। इसी वजह से "ऑपरेशन क्लीन एयर" अभियान आगे भी पूरे दिल्ली-एनसीआर में जारी रहेगा।

स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर के लिए 11 हजार किमी समुद्री तट पर चलेगा बड़ा सफाई अभियान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने शनिवार को "स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर" 2026 अभियान और आगामी इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इस बैठक में तय किया गया कि "स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर" 2026 अभियान 12 से 19 सितंबर तक पूरे देश में चलाया जाएगा और इसका समापन अंतरराष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस के मौके पर होगा। यह अभियान भारत के 11,098 किलोमीटर लंबे समुद्री तट को कवर करेगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जानकारी दी कि इस अभियान में केंद्र और राज्य सरकारों के मंत्रालयों के साथ-साथ वैज्ञानिक संस्थान, जिला प्रशासन, भारतीय तटरक्षक बल, एनसीसी, एनएसएस, स्वयंसेवी संगठन और स्थानीय समुदाय मिलकर भाग लेंगे। सरकार ने इसे एक "जन-आंदोलन" के रूप में आगे बढ़ाने की योजना बनाई है। बैठक में बताया गया कि इस अभियान के जरिए

समुद्री कचरे की सफाई, तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए वैज्ञानिक निगरानी के साथ-साथ जनभागीदारी भी बढ़ाई जाएगी। पिछले वर्षों की प्रगति की समीक्षा में बताया गया कि 2025 अभियान के दौरान 150 टन से अधिक समुद्री कचरे का दस्तावेजीकरण किया गया था। नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए "सागर ऐप" जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जा रहा है, जिससे तटीय क्षेत्रों में कचरे की निगरानी और रिपोर्टिंग आसान हुई है। केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ब्लू इकोनॉमी विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण अब राष्ट्रीय प्राथमिकता का हिस्सा हैं। बैठक में एनसीसी, एनएसएस, शैक्षणिक संस्थानों और युवा संगठनों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि अभियान को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाया जा सके। इसके साथ ही "इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल" की तैयारियों की भी समीक्षा की गई, जो इस वर्ष दिसंबर के तीसरे सप्ताह में पुणे में आयोजित होगा। इस फेस्टिवल में वैज्ञानिक संस्थान, स्टार्टअप्स, शोधकर्ता, छात्र और नवाचार से जुड़े युवा शामिल होंगे। उद्देश्य विज्ञान और तकनीक को आम जनता से जोड़ना और इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत करना है।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में सोनार बांग्ला युग की शुरूआत

पश्चिम बंगाल में शुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के साथ ही 'सोनार बांग्ला' की बयार का दौर शुरू हो गया है। भाजपा की ऐतिहासिक जीत का ही नतीजा है कि पश्चिम बंगाल में पहली बार कांग्रेस, वाम मोर्चा और तृणमूल कांग्रेस के विपरित हिंदूवादी विचारधारा की सरकार का गठन हुआ है।भाजपा की राज्य में ताजपोशी का सेहरा निसंदेह शुवेंदु अधिकारी के सिर बांधना चाहिए। जिन्होंने 1995 में 31 साल की आयु में, कोंताई नगर पालिका से कांग्रेस पार्षद के रूप में पहला चुनाव जीत कर अपना सियासी सफर शुरू किया था। इसके बाद अधिकारी तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए और पूर्वी मिदनापुर में उनका दबदबा कायम होता चला गया। अपने सियासी सफर के दौरान शुवेंदु अधिकारी विधायक, सांसद और राज्य मंत्री बने। नंदीग्राम आंदोलन के दौरान वह प्रमुख चेहरों में से एक बनकर उभरने के बाद साल 2020 में भाजपा में शामिल होने के उनके फैसले ने बंगाल की सियासत को बदल कर रख दिया। महज पांच साल के भीतर उन्होंने पश्चिम बंगाल की सियासी जमीन का रंग लाल से न सिर्फ भगवा कर दिया बल्कि मुख्यमंत्री भी बन गए। टाउन एरिया कोंताई की स्थानीय गलियों से लेकर 'राइटर्स बिल्डिंग्स' तक का अधिकारी का राजनैतिक सफर, पिछले कुछ दशकों में राज्य में हुए सबसे बड़े राजनैतिक बदलावों में से एक माना जा सकता है। उनके राजनैतिक कद और मतदाताओं के बीच उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने ममता बनर्जी को विधानसभा चुनाव में दो बार हराया है। यूं तो शुवेंदु अधिकारी का कद 2021 में जीत के दौरान ही काफी बढ़ गया था, लेकिन मौजूदा चुनाव में ममता बनर्जी को शिकस्त देने के बाद यह मान लिया गया पश्चिम बंगाल ने अपना नया नेता चुन लिया है। 2021 में भाजपा को राज्य में भले ही शिकस्त का सामना करना पड़ा, लेकिन अधिकारी की जीत ने पार्टी को राज्य में मनोवैज्ञानिक बढ़त दिलाने का काम किया। 2021 के चुनाव नतीजों के बाद ही भाजपा ने शुभेंदु अधिकारी की अहमियत को पहचानते हुए उन्हें विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी सौंपते हुए पश्चिम बंगाल में एक मजबूत विपक्ष और विकल्प खड़ा कर दिया। उम्मीद की जा सकती है कि कोलकाता की राइटर्स बिल्डिंग्स में भगवा के प्रवेश की राह आसान करने वाले शुवेंदु अधिकारी के हाथ में सत्ता की जो ताली आई है वह जंग लगे कई तालों को खोलेगी। शुवेंदु अधिकारी की ताजपोशी से राज्य में एक राजनैतिक व्यवस्था के आगमन का भी संकेत है। आने वाले दिनों में बंगाल में इसकी झलक दिखाई देगी। फिलहाल बंगाल में भगवा युग की शुरुआत हो गई है। केंद्र और प्रदेश सरकार मिलकर वहां के विकास की नई गाथा लिखेंगे।

सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा बेहद जरूरी

सवाल यह है कि आखिर क्यों आज भी इंसानों को सीवर में उतरना पड़ता है? क्या तकनीक के इस दौर में मशीनें यह काम नहीं कर सकतीं? सच यह है कि मशीनें मौजूद हैं, तकनीक मौजूद है, संसाधन भी मौजूद हैं, लेकिन सफाई कर्मचारियों की जान को कभी प्राथमिकता नहीं माना गया। गरीब मजदूर की जिंदगी इस व्यवस्था के लिए सस्ती है। यही कारण है कि सुरक्षा उपकरणों के बिना लोगों को जहरीले गटरों में उतार दिया जाता है। कई बार ठेकेदार और अधिकारी जानते हैं कि यह गैरकानूनी है, फिर भी यह सब जारी रहता है, क्योंकि मरने वाला कोई प्रभावशाली व्यक्ति नहीं होता। यदि किसी बड़े अधिकारी, डॉक्टर या सरकारी कर्मचारी की असामयिक मृत्यु होती है, तो पूरा तंत्र सक्रिय हो जाता है। परिवार को आर्थिक सहायता दी जाती है, सरकारी नौकरी मिलती है, नेताओं के संदेश आते हैं और संवेदनाएँ प्रकट की जाती हैं। ऐसा होना चाहिए, क्योंकि हर इंसान का जीवन मूल्यवान है। लेकिन वही संवेदनशीलता तब क्यों गायब हो जाती है जब कोई सफाई कर्मचारी सीवर में दम तोड़ देता है? उसकी पत्नी और बच्चों के आँसू कम कीमती क्यों माने जाते हैं? उसकी मौत पर समाज उतना विचलित क्यों नहीं होता? इसका उत्तर केवल आर्थिक या प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के शहर आज दो तस्वीरों में बँटे हुए दिखाई देते हैं। एक तस्वीर चमचमाती सड़कों, स्मार्ट सिटी योजनाओं, बड़े-बड़े मॉल और स्वच्छता अभियानों की है, जबकि दूसरी तस्वीर कूड़े के ढेरों, बदबूदार नालियों, उफनते सीवरों और उनमें उतरते इंसानों की है। दुर्भाग्य यह है कि दूसरी तस्वीर को देखने से समाज अक्सर बचता है, क्योंकि वह तस्वीर केवल गंदगी की नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक चरित्र की सच्चाई भी दिखाती है। शहरों की सफाई जिन लोगों के भरोसे है, वही लोग आज भी सबसे अधिक अपमान, असुरक्षा और उपेक्षा झेल रहे हैं। यह केवल प्रशासनिक असफलता नहीं, बल्कि उस जातिवादी मानसिकता का परिणाम है जो हजारों वर्षों से कुछ लोगों को "गंदगी साफ करने वाला" मानती आई है। यह विडंबना ही है कि जिस समाज में सफाई को ईश्वर के बराबर बताया जाता है, उसी समाज में सफाई करने वाले इंसान को बराबरी का दर्जा नहीं मिलता। जिन हाथों से शहर साफ रहते हैं, उन्हीं हाथों को लोग अपने घरों की चौखट पर सम्मान नहीं देना चाहते। संविधान ने बराबरी का अधिकार दिया, कानूनों ने अस्पृश्यता को अपराध घोषित किया, लेकिन समाज के दिमागों में बैठी जाति की गंदगी आज भी जस की तस मौजूद है। यही कारण है कि सफाई कर्मचारी आज भी अधिकांशतः एक ही जाति विशेष से आते हैं। आधुनिक भारत का यह सबसे बड़ा सामाजिक विरोधाभास है कि चाँद पर पहुँचने वाला देश आज भी अपने ही नागरिकों को नंगे हाथों से गटर साफ करने पर मजबूर करता है।

हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों से खबर आती है कि सीवर साफ करते समय जहरीली गैस से कई सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई। कुछ देर के लिए मीडिया में चर्चा होती है, प्रशासन दुख जताता है, नेता मुआवजे की घोषणा करते हैं और फिर मामला खत्म हो जाता है। लेकिन उन परिवारों के लिए जिंदगी कभी सामान्य नहीं होती। एक मजदूर की मौत केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार की उम्मीदों, बच्चों के भविष्य और घर की रोटी का अंत होती है। सबसे दुखद बात यह है कि इन मौतों को समाज ने लगभग "सामान्य" मान लिया है। जैसे यह कोई हादसा नहीं, बल्कि उनका तयशुदा भाग्य हो।

सवाल यह है कि आखिर क्यों आज भी इंसानों को सीवर में उतरना पड़ता है? क्या तकनीक के इस दौर में मशीनें यह काम नहीं कर सकतीं? सच यह है कि मशीनें मौजूद हैं, तकनीक मौजूद है, संसाधन भी मौजूद हैं, लेकिन सफाई कर्मचारियों की जान को कभी प्राथमिकता नहीं माना गया। गरीब मजदूर की जिंदगी इस व्यवस्था के लिए सस्ती है। यही कारण है कि सुरक्षा उपकरणों के बिना लोगों को जहरीले गटरों में उतार दिया जाता है। कई बार ठेकेदार और अधिकारी जानते हैं कि यह गैरकानूनी है, फिर भी यह सब जारी रहता है, क्योंकि मरने वाला कोई प्रभावशाली व्यक्ति नहीं होता। यदि किसी बड़े अधिकारी, डॉक्टर या सरकारी कर्मचारी की असामयिक मृत्यु होती है, तो पूरा तंत्र सक्रिय हो जाता है। परिवार को आर्थिक सहायता दी जाती है, सरकारी नौकरी मिलती है, नेताओं के संदेश आते हैं और संवेदनाएँ प्रकट की जाती हैं। ऐसा होना चाहिए, क्योंकि हर इंसान का जीवन मूल्यवान है। लेकिन वही संवेदनशीलता तब क्यों गायब हो जाती है जब कोई सफाई कर्मचारी सीवर में दम तोड़ देता है? उसकी पत्नी और बच्चों के आँसू कम कीमती क्यों माने जाते हैं? उसकी मौत पर समाज उतना विचलित क्यों नहीं होता? इसका उत्तर केवल आर्थिक या प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक है। हमारे दिमागों में सदियों से भरी जातिवादी सोच ने सफाई कर्मचारियों की पीड़ा को "सामान्य" बना दिया है।

असल में सड़कों पर फैली गंदगी से ज्यादा खतरनाक गंदगी हमारे दिमागों में भरी हुई है। सड़क का कचरा नगर निगम उठा सकता है, लेकिन मानसिक कचरा पीढ़ियों की सोच बदलने से ही हटेगा। हमने सफाई को काम नहीं, जाति बना दिया। हमने कुछ लोगों को यह विश्वास दिलाया कि उनका जन्म ही गंदगी साफ करने के लिए हुआ है। यही सोच लोकतंत्र और मानवता दोनों के लिए सबसे बड़ा खतरा है। किसी भी सभ्य समाज में कोई पेशा जन्म से तय नहीं होता, लेकिन भारत में जाति ने इंसान की पहचान, सम्मान और रोजगार तक तय कर दिए।

विडंबना यह भी है कि "स्वच्छ भारत" जैसे अभियान चलाने वाला देश सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाया। फोटो खिंचवाने के लिए झाड़ू पकड़ना आसान है, लेकिन सीवर में उतरते इंसानों की जिंदगी बदलने के लिए गंभीर राजनीतिक इच्छाशक्ति चाहिए। आज भी अनेक नगरपालिकाओं में सीवर सफाई का पूरा काम ठेकेदारों के भरोसे चलता है। ठेकेदार लागत बचाने के लिए सुरक्षा उपकरण नहीं देते और मजदूर मजबूरी में मौत के कुएँ में उतर जाते हैं। जब हादसा होता है तो जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल दी जाती है। किसी अधिकारी या ठेकेदार को शायद ही कभी सख्त सजा मिलती हो। यही दंडहीनता इन मौतों को जारी रखती है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि सफाई कर्मचारियों के साथ केवल आर्थिक अन्याय नहीं, बल्कि सामाजिक अपमान भी जुड़ा हुआ है। वे शहरों की सफाई करते हैं, लेकिन अक्सर गंदी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं। उनके बच्चों को स्कूलों में भेदभाव झेलना पड़ता है। कई जगह आज भी लोग उनके साथ बैठकर खाना खाने से हिचकते हैं। यह कैसा समाज है जो सफाई तो चाहता है, लेकिन सफाई करने वाले इंसान को सम्मान नहीं देना चाहता?

हमें यह समझना होगा कि सफाई कोई छोटा काम नहीं है। डॉक्टर शरीर बचाता है, शिक्षक भविष्य बनाता है और सफाई कर्मचारी समाज को बीमारियों से बचाता है। यदि एक दिन सफाई कर्मचारी काम बंद कर दें, तो शहरों का जीवन ठहर जाएगा। महामारी फैल जाएगी, बदबू और संक्रमण लोगों का जीना मुश्किल कर देंगे। फिर भी सबसे कम सम्मान और सबसे ज्यादा खतरा उसी पेशे से जुड़ा है। यह केवल सामाजिक विफलता नहीं, बल्कि नैतिक दिवालियापन भी है। समस्या का समाधान केवल भाषणों से नहीं होगा। सबसे पहले सीवर और गटर सफाई का पूर्ण मशीनीकरण जरूरी है। किसी भी इंसान को जहरीली गैसों के बीच उतरने के लिए मजबूर करना सीधा-सीधा मानवाधिकारों का उल्लंघन है। सरकारों को आधुनिक मशीनों, रोबोटिक तकनीक और सुरक्षा उपकरणों पर गंभीर निवेश करना होगा। इसके साथ ही यदि किसी सफाई कर्मचारी की मौत होती है, तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों पर गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक यह सिलसिला नहीं रुकेगा।

इसके साथ ही सफाई कर्मचारियों के परिवारों को सम्मानजनक मुआवजा मिलना चाहिए। केवल कुछ लाख रुपये देकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। कम से कम एक करोड़ रुपये की सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, बच्चों की शिक्षा और आवास की गारंटी दी जानी चाहिए। क्योंकि जिसने अपनी जान गंवाई, वह केवल मजदूर नहीं था, बल्कि समाज को स्वस्थ रखने वाली व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा था।

लेकिन कानून और मुआवजा भी तब तक अधूरे रहेंगे जब तक समाज अपनी सोच नहीं बदलेगा। स्कूलों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं को जातिवाद के खिलाफ गंभीर जागरूकता अभियान चलाने होंगे। बच्चों को यह सिखाना होगा कि कोई काम छोटा नहीं होता और किसी इंसान की गरिमा उसके पेशे से कम नहीं होती। जब तक सफाई कर्मचारियों को बराबरी का सम्मान नहीं मिलेगा, तब तक "स्वच्छ भारत" का सपना भी अधूरा रहेगा।

आज जरूरत केवल शहरों की सफाई की नहीं, बल्कि समाज की आत्मा को साफ करने की है। हमें अपने भीतर झाँककर पूछना होगा कि आखिर क्यों एक सफाई कर्मचारी की मौत हमें उतना विचलित नहीं करती जितना किसी बड़े अधिकारी की मौत करती है? क्यों आज भी जाति के आधार पर काम बँटे हुए हैं? और क्यों हम आधुनिकता का दावा करते हुए भी मानसिक रूप से सदियों पीछे खड़े हैं? किसी भी राष्ट्र की असली पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों और आर्थिक विकास से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और मेहनतकश नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है।

हजारों बेगुनाहों की जान ले चुकी है बंगाल की खूनी सियासत!

मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का एक लंबा और खूनी इतिहास रहा है, जो दशकों से चला आ रहा है।पश्चिम बंगाल।।। एक ऐसा राज्य जहां सियासी दुश्मनों को हराया नहीं, बल्कि खत्म कर दिया जाता है। यहां पार्टियां बदलती हैं, सरकारें बदलती हैं, लेकिन हिंसा की राजनीति का तरीका नहीं बदलता। बंगाल की शान, उसका गौरवशाली इतिहास और बौद्धिक संस्कृति, इन सबको 34 साल के कम्युनिस्ट शासन की खूनी सियासत ने धुंधला कर दिया। गांव से लेकर कोलकाता के सत्ता के गलियारों तक, पार्टी ही सरकार थी और सरकार ही पार्टी। इसी कैडर कल्चर से सियासी दुश्मनी ने जन्म लिया। वोट कौन किसे देगा, ये लोग नहीं, पार्टी तय करती थी। एक पूरी पीढ़ी तक राज करने वाली लेफ्ट पार्टियों ने पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा की नींव डाल दी।गांवों में पड़ोस के घरों से लेकर कोलकाता की सड़कों तक, राजनीतिक विरोधियों को हिंसक तरीके से कुचलना एक संस्कृति बन गई। लेफ्ट पार्टियों ने यह सब सिर्फ इसलिए किया क्योंकि वे किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहना चाहते थे। 34 साल के कम्युनिस्ट राज में 20,000 से ज़्यादा राजनीतिक हत्याएं हुईं और अनगिनत रेप हुए। कर्नाटक में बैठकर वहां हुए इस कुशासन का अंदाज़ा लगाना भी मुश्किल है।

खूनी राजनीति के बीच एक उम्मीद बनकर उभरीं ममता बनर्जी। लेफ्ट की हिंसक राजनीति को हराकर सत्ता में तो आईं, लेकिन अपनी कुर्सी बचाने के लिए उन्होंने भी वही रास्ता अपना लिया। बंगाल की टीएमसी में कार्यकर्ता कितने थे पता नहीं, पर गुंडों की कोई कमी नहीं थी। 2018 का पंचायत चुनाव हो, 2021 के चुनाव के बाद की हिंसा हो, या 2023 के पंचायत चुनाव के बाद का खून-खराबा में 60 लोगों की मौत यह सिलसिला जारी है । विरोधी पार्टियों के दफ्तरों में आग लगाना, लोगों के घरों में घुसकर टीएमसी को वोट देने की धमकी देना मारपीट ध्रुवीकरण बंगाल में आम बात हो गई। गांवों में टीएमसी का विरोध करने वालों के पास दो ही रास्ते थे - या तो गांव छोड़ दो, या टीएमसी को वोट दो। टीएमसी का विरोध करने वालों को जहां-तहां पीटा गया, झूठे केसों में जेल में डाल दिया गया। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें खत्म कर दिया गया और उनके घर की महिलाओं पर अत्याचार किए गए। यहां तक कि ममता बनर्जी के खिलाफ लिखने वाले पत्रकारों को भी नहीं बख्शा गया।

आरोप है कि ममता सरकार के राज में 300 से ज़्यादा राजनीतिक हत्याएं हुईं, जबकि रेप के मामलों का तो कोई हिसाब ही नहीं। कई महिलाओं ने तो इज्जत के डर से पुलिस स्टेशन का मुंह तक नहीं देखा। उन्हें यह भी भरोसा नहीं था कि अगर वे शिकायत करने गईं तो सुरक्षित घर लौट पाएंगी।

2021 तक टीएमसी की खूनी राजनीति एक स्तर पर थी, लेकिन उसके बाद के हालात और भी भयानक हो गए। थोक में वोट पाने के लिए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति, अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए रेड कार्पेट बिछाना, और सिर्फ इसलिए हिंदुओं को निशाना बनाना क्योंकि उन्होंने बीजेपी का समर्थन किया था, यह सब टीएमसी के दबंगई और गुंडई के जरिए चल रहा था। बंगाल के लोगों के सब्र का बांध टूटने में 15 साल लग गए। इसका नतीजा ये हुआ कि 2011 में एक भी सीट न जीत पाने वाली बीजेपी, 2016 में 3 सीटों पर सिमटने वाली बीजेपी, आज 77 से 206 सीटें जीतने के स्तर पर आ गई है।

उम्मीद है कि कम्युनिस्टों द्वारा शुरू की गई और टीएमसी द्वारा आगे बढ़ाई गई इस खूनी राजनीति को बीजेपी आगे नहीं बढ़ाएगी। बंगाल के लिए बीजेपी का यही सबसे बड़ा अच्छा काम होगा। क्योंकि जो लोग पहले लेफ्ट और टीएमसी के कैडर थे, वही आज बीजेपी का झंडा उठा रहे हैं। पार्टियां और सरकारें बदल गईं, लेकिन हिंसा की जहरीली सियासी संस्कृति अब यहीं खत्म होनी चाहिए।

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बावजूद, चुनावी और राजनीतिक हिंसा का सिलसिला थमा नहीं है, चाहे वह वामपंथी शासन सीपीएम का दौर हो या वर्तमान तृणमूल कांग्रेस का दौर।आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की खूनी राजनीति के बंगाल में सियासी हिंसा का दौर 1959 के खाद्य आंदोलन से शुरू होकर आज छह दशक बाद भी जारी है। एनसीआरबी की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में भारत में सबसे अधिक राजनीतिक हत्याएं दर्ज की गई हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव, 2018 के पंचायत चुनाव और 2013 के पंचायत चुनावों के दौरान राज्य में व्यापक हिंसा और हत्याएं देखी गईं।

ताजा घटना क्रम में बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या सहित चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं ने सियासी माहौल को गरमा दिया है। पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद बुधवार (6 मई) देर रात शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या से हड़कंप मच गया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि हत्या में इस्तेमाल की गई गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। गोली लगने के बाद चंद्रनाथ रथ को विवासिटी हॉस्पिटल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद ये आशंका ज़ाहिर की जा रही थी कि हिंसक घटनाएं हो सकती हैं।पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद मंगलवार और बुधवार को हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। भाजपा और टीएमसी के पार्टी प्रतिनिधियों ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई कथित झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई।

एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के एक पार्टी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जहां उत्तरी 24 परगना के न्यू टाउन और हावड़ा के उदय नारायणपुर में भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई। वहीं टीएमसी ने कहा कि कोलकाता के बेलेघाटा और बीरभूम के नानूर में उसके दो सदस्यों की हत्या हुई है।

उधर पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपने पीए निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर की गई हत्या को एक सुनियोजित साजिश और कोल्ड-ब्लडेड मर्डर करार दिया है। यह घटना 6 मई 2026 की रात को मध्यमग्राम में हुई, जब वह अपने घर लौट रहे थे। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह एक 100% पूर्वनियोजित मर्डर है। हत्यारों ने 2-3 दिनों तक रेकी की थी और योजना के तहत इस घटना को अंजाम दिया।शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि उनकी हत्या इसलिए की गई क्योंकि वह मेरे पीए थे। उन्होंने इसे भवानीपुर में ममता बनर्जी की हार का बदला भी बताया।शुभेंदु ने इस हत्या को पश्चिम बंगाल में जारी 15 साल के महाजंगल राज का नतीजा बताया और कहा कि वे बंगाल से गुंडों का सफाया करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली से नेतृत्व ने इस घटना की जानकारी ली है और वे लगातार संपर्क में हैं।

केशव देव मंदिर

जब भी भारत की आध्यात्मिक पहचान की बात होती है, तो दो शहर अपने आप चर्चा में आ जाते हैं अयोध्या और मथुरा। एक तरफ भगवान राम की जन्मभूमि, तो दूसरी तरफ भगवान कृष्ण का जन्मस्थान। मथुरा का केशव देव मंदिर सिर्फ एक धार्मिक जगह नहीं, बल्कि इतिहास, आस्था और भावनाओं का संगम है। कहा जाता है कि यही वह स्थान है जहां कंस की जेल में देवकी ने श्रीकृष्ण को जन्म दिया था। समय के साथ मंदिर कई बार टूटा, फिर बना, लेकिन इसकी आस्था कभी कमजोर नहीं पड़ी। आज भी जब कोई यहां पहुंचता है, तो उसे सिर्फ दर्शन नहीं, बल्कि एक अलग ही ऊर्जा महसूस होती है। यही वजह है कि केशव देव मंदिर आज भी करोड़ों लोगों की श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है।

धर्मकर्म

केशव देव मंदिर का इतिहास-माना जाता है कि केशव देव मंदिर का इतिहास सीधे द्वापर युग से जुड़ा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण के प्रपौत्र वज्रनाभ ने इस मंदिर का सबसे पहला निर्माण करवाया था। यह वही दौर था जब महाभारत युद्ध के बाद यदुवंश लगभग समाप्त हो चुका था। कहानी कुछ ऐसी है कि युद्ध के बाद गांधारी के श्राप के कारण यदुवंश का विनाश हुआ। इसके बाद भगवान कृष्ण ने भी पृथ्वी छोड़ दी। द्वारिका समुद्र में समा गई और बचे हुए लोगों में वज्रनाभ जैसे कुछ ही नाम शामिल थे। उन्होंने ब्रज क्षेत्र में आकर मंदिरों और कुंडों का निर्माण कराया, जिनमें केशव देव मंदिर सबसे खास माना गया।

बदलते समय के साथ नई पहचान- इतिहासकारों के मुताबिक, इस मंदिर का कई बार जीर्णोद्धार हुआ। इसके बाद गुप्त काल में सम्राट चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने इसे फिर से बनवाया। समय बीतने के साथ मंदिर की हालत खराब होती गई, लेकिन हर युग में किसी न किसी शासक या भक्त ने इसे फिर से खड़ा किया। यह सिलसिला इस बात का सबूत है कि इस मंदिर की आस्था कभी खत्म नहीं हुई।

वर्तमान मंदिर और उसकी खासियत- 1958 में हुआ नया अध्याय शुरू। आज जो केशव देव मंदिर दिखाई देता है, उसका आधुनिक रूप 1958 में सामने आया। इसका उद्घाटन स्वतंत्रता सेनानी और समाजसेवी हनुमान प्रसाद पोद्दार ने किया था। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही एक अलग ही शांति महसूस होती है।

आज का इतिहास

अन्य अहम घटनाएंः

1857 - भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम इसी दिन आरंभ हुआ था।

1994 - दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला ने प्रिटोरिया में एक ऐतिहासिक समारोह में राष्ट्रपति पद की शपथ ली।

2001 - भारत व ताजिकिस्तान ने संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए, घाना में फ़ुटबाल मैच के दौरान हिंसा, 130 मरे।

2003 - मोजाम्बिक के राष्ट्रपति जोकि अल्बर्टो फिसानों 6 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुँचे।

2005 - लाहौर-अमृतसर बस सेवा शुरू करने पर भारत और पाकिस्तान सहमत।

2006 - 1987 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित आस्कर एरियास ने दुबारा कोस्टारिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की।

2007 - अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने कार्यस्थल पर होने वाले भेदभाव पर रिपोर्ट जारी की।

2008 - लेबनान में ईरान समर्थित विद्रोही संगठन हिजबुल्ला ने राजधानी बेरुत के मुस्लिम इलाके पर क़ब्ज़ा करने का दावा किया।

जन्म

1986 - पेंटाला हरिकृष्णा - भारतीय शतरंज खिलाड़ी हैं।

1961 - बृजलाल खाबरी - तेरहवीं लोकसभा के सदस्य चुने गये।

1951 - वी. के. सिंह - भारतीय थल सेना के 26वें थल सेनाध्यक्ष रहे हैं।

1929 - सुभाष कश्यप - भारतीय संविधान के विशेषज्ञ एवं 'पद्म भूषण' से भी सम्मानित।

1918 - रामेश्वर नाथ काव - भारत की गुप्तचर संस्था 'रॉ' (रिसर्च एण्ड एनालिसिस विंग) के संस्थापक थे।

निधन

2022 - शिवकुमार शर्मा - प्रसिद्ध भारतीय संतूर वादक थे।

2010 - मैक मोहन - हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता थे।

2005 - गोविन्द नारायण सिंह - मध्य प्रदेश के भूतपूर्व पाँचवें मुख्यमंत्री थे।

2002 - कैफ़ी आज़मी - फ़िल्म जगत के मशहूर उर्दू शायर।

पिता के कंधों पर जिम्मेदारी का बोझ

सुनील कुमार महला

रात काफी गहरी हो चली थी।घड़ी की सुइयां साढ़े दस बजा रहीं थीं और अब शहर की सड़कों पर धीरे-धीरे सन्नाटा उतरने लगा था। फैक्टरी की मशीनों की तेज आवाज के बीच आदित्य अपनी दूसरी शिफ्ट पूरी कर रहे थे। पसीने से भीगा उनका चेहरा थकान से भरा था, मैले-कुचैले से कपड़े, लेकिन आंखों में एक अजीब-सी चमक थी- अपने बेटे साहिल के भविष्य की चमक। तभी उनके बटन वाले छोटे से पुराने मोबाइल की घंटी बजी। उन्होंने मशीन बंद कर जेब से मोबाइल निकाला।हैलो पापा! उधर से साहिल की आवाज आई।हाँ बेटा, बोलो। नमस्ते पापा, वो मैंने आपको इसलिए फोन किया कि मैं अपने लिए ढाई हजार के जूते और दो जींस की पैंट तथा तीन शर्ट ऑर्डर कर रहा हूँ। पापा ! मैं जिस कोचिंग में जाता हूं वहां सभी बच्चे रोज़ नए-नए कपड़े पहनकर आते हैं। मुझे पुराने जूतों और कपड़ों में असहजता महसूस होती है।

कुछ पल के लिए आदित्य चुप हो गए। उनकी नजर अपने फटे तथा घिसे हुए जूतों पर गई, जिनकी सिलाई कई जगह से उधड़ चुकी थी। शर्ट का कॉलर भी घिस चुका था। पिछले तीन सालों से वही जूते और वही पुराने कपड़े वह पहन रहे थे।लेकिन अगले ही पल उन्होंने मुस्कराकर कहा-कोई बात नहीं बेटा, तुम कल ऑर्डर कर दो। सात-आठ हजार रुपए की ही तो बात है। मैं कहीं से अरेंज कर दूँगा। बस तुम अच्छी तरह पढ़ना। तुम्हारी खुशी से बढ़कर मेरे लिए कुछ भी नहीं है बेटा !थैंक यू पापा! कहकर साहिल ने फोन रख दिया। आदित्य ने गहरी सांस ली। उन्होंने खाना भी अभी तक नहीं खाया था और उनकी जेब में केवल बारह सौ रुपए थे। महीने का किराया बाकी था, दूध के पैसे भी दूध वाले को चुकाने थे और घर में राशन भी कम था, लेकिन बेटे की खुशी के आगे उन्हें अपनी हर परेशानी छोटी लगती थी। फैक्टरी से लौटते समय देर रात तक खुली उन्होंने चाय की एक थड़ी पर बैठकर घर से कपड़े में बांध कर लाई दो सूखी रोटियां और चाय से पेट भरा। साथी मजदूर सुरेश ने उनसे पूछा-आदित्य, कब तक अपने पेट के गांठ लगाते रहोगे ? तुम दिन-रात जी-तोड़ मेहनत करते हो। बच्चों की सभी इच्छाओं की पूर्ति के लिए कब तक आखिर खुद को यूँ तकलीफ देते रहोगे? कभी तो थोड़ा-बहुत अपने लिए भी सोच लिया करो। आदित्य के सूखे लबों पर हल्की-सी मुस्कराहट थी-हम जैसे बाप अपने लिए कहाँ जीते हैं सुरेश हमारी खुशी तो बच्चों के सपनों में निहित होती है। और हमारा क्या है, हमें तो कम में जीने की आदत पड़ चुकी है। घर पहुँचते-पहुँचते रात के बारह बज चुके थे। उनकी पत्नी ज्योत्स्ना दरवाजे पर उनक बड़ी देर से इंतजार कर रही थी। आज बहुत देर लगा दी। इतनी देर कहां हुई ? खाना लगा दूँ आपके लिए, भूख लगी होगी?नहीं, घर से जो रोटियां बांधकर दीं थीं, खा लिया बाहर।ज्योत्स्ना समझ गई कि उन्होंने फिर झूठ बोला है। वह जानती थी कि आदित्य अक्सर पैसे बचाने के लिए भूखे ही रह जाते हैं। यहां तक कि चाय भी बहुत बार नहीं पीते हैं। अगले दिन आदित्य ने फैक्टरी मालिक से एडवांस मांगा, लेकिन मालिक ने साफ मना कर दिया और कहा-आदित्य अभी तो महीना पूरा भी नहीं हुआ, और तुम्हें काम से पहले ही दाम चाहिए। निराश होकर वे बाहर निकले। तभी उनकी नजर अपनी पुरानी स्कूटी पर पड़ी।

वही स्कूटी जिससे वे वर्षों से फैक्टरी जाते थे। उन्होंने बिना कुछ सोचे अपनी बरसों पुरानी स्कूटी बेच दी।अगले दिन साहिल के खाते में पैसे पहुँच चुके थे। चार-पांच दिन बाद साहिल के पास नए जूते, जींस और शर्ट आ गए। वह खुशी से दोस्तों के बीच घूम रहा था। पहली बार उसे लगा कि अब वह भी किसी से कम नहीं है। उसके पापा उसका कितना ख्याल रखते हैं।लेकिन उसी शाम उसने अपने पिता को देखा। आदित्य फैक्टरी पैदल ही जा रहे थे। पैरों में टूटे हुए जूते थे, जिनमें से अंगूठा बाहर झाँक रहा था।शर्ट में दो-तीन छोटे छेद नज़र आ रहे थे।पापा आपकी स्कूटी कहाँ है? साहिल ने पूछा।आदित्य थोड़ा झिझके-अरे बेटा, वो बहुत पुरानी हो गई थीठीक से काम भी नहीं करती थी और पेट्रोल भी बहुत फूंक रहीं थीं, इसलिए मैंने बेच दी। लेकिन फैक्टरी? अरे ! तुम चिंता मत करो। बिलकुल पास ही में तो है चला जाता हूँ पैदल। और तुम्हें तो पता ही है कि पैदल चलना हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। साहिल कुछ देर तक चुप रहा। उसकी नजर पिता के चेहरे पर टिक गई। थकान से भरा चेहरा, माथे पर पसीना, लेकिन होंठों पर वही सुकून भरी मुस्कान। उस रात साहिल को ठीक से नींद भी नहीं आई। उसे याद आने लगा कि कैसे उसके पिता हर बार उसकी जरूरत पूरी करते रहे। बचपन में खिलौने, स्कूल की फीस, कोचिंग, किताबें हर चीज समय पर मिली। लेकिन उसने कभी यह नहीं सोचा कि उसके पिता अपनी जरूरतों का क्या करते होंगे। उनकी भी तो अपनी कुछ इच्छाएं होंगी।अचानक उसे अपनी माँ की कही बात याद आई-बेटा, पिता कभी जताते नहीं, लेकिन परिवार के लिए रोज थोड़ा-थोड़ा टूटते जरूर हैं। याद रखो बेटा ! एक पिता परिवार का वटवृक्ष होता है,जिसकी शीतल छांव में परिवार पलता है, बढ़ता है। अगली सुबह साहिल ने अपने नए जूतों का डिब्बा खोला। कुछ देर उन्हें देखा और फिर वापस ज्यों का त्यों वापस डिब्बे में पैक कर दिया। उसने ऑनलाइन जाकर ऑर्डर कैंसिल कर दिया। जितने पैसे वापस मिले, उनसे उसने अपने पिता के लिए नए जूते और कपड़े ऑर्डर कर दिए।साथ में एक छोटा-सा पत्र भी लिखा- पापा, मैं शायद कभी समझ ही नहीं पाया कि आप मेरे लिए कितना सहते हैं। मुझे पता है कि फैक्ट्री बहुत दूर है। मैं सबकुछ समझता हूं। आपने हमेशा मेरी ही खुशी देखी, हम सब की खुशियां देखीं, लेकिन मैंने कभी आपकी थकान नहीं देखी,आपके कष्ट, दुःख और तकलीफें नहीं देखीं। आपने अपने सपनों को रोककर मेरे सपनों को उड़ान दी। अपने पंखों को काटकर आपने हमारे पंखों को तैयार किया।अब मुझे समझ आया कि पिता केवल एक रिश्ता नहीं, पूरा आसमान होते हैं। पापा ! मुझे माफ कर देना। मैं इस संसार की हवाओं में बह गया था,जो सिर्फ और सिर्फ अपना ही स्वार्थ देखता है। पापा ! आप इस दुनिया के सबसे अमीर इंसान हैं, क्योंकि आपके पास त्याग है, विशाल हृदय है और प्रेम का अद्भुत खजाना है।कुछ दिन बाद जब आदित्य के हाथ में नया जूतों का डिब्बा व नया पेंट-शर्ट आया तो वे हैरान रह गए। अरे ! ये किसने भेजा? कहीं फैक्ट्री मालिक ने तो नहीं।ज्योत्स्ना मंद-मंद सी मुस्कराई- जी नहीं, यह आपके बेटे ने आपके लिए भेजा है।डिब्बे में रखा पत्र पढ़ते-पढ़ते आदित्य की आंखें नम हो गईं। शायद पहली बार उन्हें लगा कि उनका संघर्ष किसी ने समझा है।उस रात साहिल ने फोन पर कहा- पापा, अब मैं सिर्फ अच्छे कपड़े और जूते पहनने के लिए नहीं पढ़ूँगा। मैं इतना बड़ा इंसान बनूँगा कि आपको फिर कभी अपनी जरूरतें छिपानी न पड़ें। मैं कम में ही गुजारा कर लूंगा। मुझे दुनिया का ऐशा-आराम नहीं चाहिए। बिलकुल भी नहीं। इतना त्याग ! पापा ! आदित्य की आंखों से आँसू बह निकले। उन्होंने कांपती आवाज में अंदर ही अंदर जैसे स्वयं से कहा- बस बेटा, यही मेरी सबसे बड़ी कमाई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

हरियाणा में आज 3 नगर निगमों समेत 528 सीटों पर मतदान, 8.70 लाख मतदाता करेंगे वोट

राज्य में 826 मतदान केंद्रों पर सुबह बाठ बजे से डाले जाएंगे वोट

चंडीगढ़। हरियाणा में तीन नगर निगमों -अंबाला, सोनीपत, पंचकूला समेत सात निकायों और पंचायती राज संस्थाओं की 528 सीटों पर रविवार को मतदान होगा। मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार को राज्य के चुनाव आयुक्त ने प्रदेश के संबंधित जिला उपायुक्तों तथा पुलिस अधीक्षकों से चुनावी तैयारियों के जायजे पर बातचीत की।

उधर, सभी पोलिंग पार्टियां मतदान प्रक्रिया के लिए जरूरी सामान लेकर मतदान केंद्रों में पहुंच चुकी हैं।रविवार को नगर निकाय आम चुनावों के तहत प्रदेश के नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर समितियों के कुल 144 वार्डों में मतदान करवाया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया के लिए 826 संभावित मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन चुनावों में कुल 8,70,925 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 4,53,047 पुरुष, 4,17,841 महिला तथा 37 अन्य श्रेणी के मतदाता शामिल हैं।

अंबाला, सोनीपत व पंचकूला में मेयर पद के लिए कुल 18 तथा रेवाड़ी में नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए आठ प्रत्याशी मैदान में हैं। प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के अंतर्गत आने वाली पंच, सरपंच, पंचायत समिति और जिला परिषद सदस्यों की अन्य 528 खाली सीटों के लिए भी उपचुनाव होगा। प्रदेश के सभी सात निकायों में इस समय वार्ड सदस्यों के लिए कुल 557 तथा पंचायत राज संस्थाओं के लिए 601 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

अंबाला नगर निगम में कुल 20 वार्डों के लिए 191 मतदान केंद्रों पर 1,98,224 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे, जिनमें 1,02,654

पुरुष, 95,550 महिला तथा 20 अन्य मतदाता शामिल हैं। पंचकूला नगर निगम के 20 वार्डों के लिए 204 मतदान केंद्रों पर 2,07,379 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे, जिनमें 1,08,927 पुरुष, 98,447 महिला तथा 5 अन्य मतदाता शामिल हैं। सोनीपत नगर निगम के 22 वार्डों के लिए 264 मतदान केंद्रों पर 2,95,868 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे, जिनमें 1,53,292 पुरुष, 1,42,569 महिला तथा 7 अन्य मतदाता शामिल हैं।

रेवाड़ी नगर परिषद के 32 वार्डों के लिए 108 मतदान केंद्रों पर 1,15,157 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे, जिनमें 59,142 पुरुष, 56,011 महिला तथा 4 अन्य मतदाता शामिल हैं। उकलाना नगर समिति में 16 वार्डों में के लिए 16 मतदान केंद्रों पर 15,449 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे, जिनमें 8,197 पुरुष और 7,252 महिला मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगी। इसी प्रकार सांपला नगर समिति के 16 वार्डों में 16 मतदान केंद्रों पर 15,624 मतदाता मतदान करेंगे, जिनमें 8,141 पुरुष और 7,483 महिला मतदाता शामिल हैं।

धारूहेड़ा नगर समिति के 18 वार्डों में 27 मतदान केंद्रों पर 23,224 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे, जिनमें 12,694 पुरुष, 10,529 महिला तथा 1 अन्य मतदाता शामिल है।छह निकायों में 6 वार्डों के लिए उपचुनाव भी करवाए जाएंगे। इन उपचुनावों के लिए 8 मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां कुल 7,237 मतदाता मतदान करेंगे। इनमें 3,759 पुरुष और 3,478 महिला मतदाता हैं। चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए छह हजार से अधिक मतदान कर्मचारियों को तैनात किए गए हैं,जिनमें रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, पर्यवेक्षी कर्मचारी, पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी तथा अन्य कर्मचारी शामिल हैं।

चुनाव को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष करवाने के लिए सुरक्षा की दृष्टि से इंतजाम किए गए हैं। मतदान केंद्रों पर जरूरत के अनुसार संवेदनशील, अति संवेदनशील तथा सामान्य श्रेणी के मतदान केंद्रों पर पुलिस बल को तैनात किया गया है। समूचे चुनाव प्रक्रिया के लिए दो हजार से अधिक ईवीएम का प्रयोग किया जाएगा।

बंगाल में आज से सुशासन, सुरक्षा और विकास के नवयुग का हुआ शुभारंभ: मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के साथ ही आज से सुशासन, सुरक्षा और विकास के एक नवयुग का शुभारंभ हो गया है। पश्चिम बंगाल अब सच्चे अर्थो में 'आमार सोनार बांग्ला' बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में यह राज्य अब अपने पुराने गौरव और वैभव को प्राप्त कर समग्र विकास, निवेश, सुशासन एवं जनकल्याण के नए-नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कोलकाता के बिग्रेड परेड ग्राउंड में हुए पश्चिम बंगाल की नवगठित राज्य सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अन्य वरिष्ठ केन्द्रीय मंत्रीगण, एनडीए शासित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रीगण एवं अतिविशिष्ट जनों की उपस्थिति में हुए

नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर.एन. रवि ने शुभेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री पद एवं नई सरकार के पांच अन्य मंत्रीगण को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को लोक कल्याण के इस नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए समर्पित मैदानी कार्यकर्ताओं एवं राज्य की जागरूक जनता को भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं हैं।

पुडुचेरी में 13 मई को पांचवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे एन. रंगास्वामी

पुदुचेरी। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को बहुमत मिलने के बाद एन. रंगास्वामी 13 मई को पांचवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। राजभवन में आयोजित होने वाले इस शपथ ग्रहण समारोह को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

इससे पहले राजग विधायक दल की बैठक में शुक्रवार को एन. रंगास्वामी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद उन्होंने देर रात उपराज्यपाल कैलाशनाथन से मुलाकात कर सरकार गठन का दावा पेश किया। इस दौरान उन्होंने 18 समर्थक विधायकों के समर्थन पत्र भी सौंपे। नई सरकार के गठन की प्रक्रिया के साथ ही मंत्रिमंडल के स्वरूप और विभागों के बंटवारे को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। मुख्यमंत्री रंगास्वामी ने केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया के साथ बैठक कर संभावित मंत्रिमंडल और सत्ता साझेदारी को लेकर विचार-विमर्श किया। मंडाविया पुडुचेरी चुनाव के प्रभारी भी रहे हैं और चुनावी रणनीति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, 18 मई को

नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शामिल होने की भी चर्चा है, हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस बीच एन. रंगास्वामी ने गठबंधन सहयोगी भाजपा को उपमुख्यमंत्री पद और दो मंत्री पद देने की घोषणा की है।

इससे साफ संकेत मिलता है कि नई सरकार में भाजपा की भूमिका पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली हो सकती है। उल्लेखनीय है कि पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रैल को एक चरण में मतदान कराया गया था। इस चुनाव में रिकॉर्ड 90.46 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जिसे केंद्रशासित प्रदेश के चुनावी इतिहास में सबसे अधिक मतदान प्रतिशतों में से एक माना जा रहा है। 4 मई को घोषित चुनाव परिणामों में ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर सरकार बनाने का रास्ता साफ कर लिया।

चुनाव परिणामों के अनुसार, ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस ने 12 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि भारतीय जनता पार्टी को 4 सीटें मिलीं। इसके अलावा अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और देशीय मुर्पोक्कु द्रविड़ कझगम ने एक-एक सीट पर जीत दर्ज की। इस प्रकार राजग गठबंधन ने कुल 18 सीटों के साथ बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया।

जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का लक्ष्य: सुमन बिल्ला

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एवं महानिदेशक सुमन बिल्ला ने शनिवार को कहा कि सरकार ने अगले एक दशक के भीतर देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन क्षेत्र की हिस्सेदारी को मौजूदा 5 से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है।

सुमन बिल्ला ने पर्यटन और ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित 15वें इंडियन एग्ज़िबिशन इंडस्ट्री एसोसिएशन (आईईआईए) ओपन सेमिनार और एग्ज़िबिशन सर्विसेज़ एक्सपो 2026 के उद्घाटन के दौरान कही। दो दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्घाटन सुमन बिल्ला और इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) के अध्यक्ष जावेद अशरफ ने संयुक्त रूप से किया। सुमन बिल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप पर्यटन के आर्थिक प्रभाव को बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे का तेज़ी से विकास किया जा रहा है। वर्ष 2014 के बाद से हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी होकर 150 पहुंच गई है। अब केवल पर्यटकों की संख्या गिनने के बजाय

'हाई-वैल्यू ट्रैवल' और राजस्व वृद्धि पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पर्यटन को एक ₹कम-उपयोग किया गया इंजन₹ बताते हुए उन्होंने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए होटल कमरों की क्षमता को तीन गुना बढ़ाने की आवश्यकता है।

इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) के अध्यक्ष जावेद अशरफ ने कहा कि व्यापार मेले अब केवल प्रचार का माध्यम नहीं बल्कि निर्यात और नवाचार के वैश्विक इंजन बन चुके हैं। उन्होंने डिजिटल पंजीकरण, एआई-संचालित मैचमेकिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों को अपनाकर प्रदर्शनियों को नया रूप देने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा विज़न भारत को एक प्रमुख वैश्विक व्यापार और प्रदर्शनी केंद्र के रूप में स्थापित करना है, जिससे एमएसएमई और स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिले। भारतीय प्रदर्शनी उद्योग संघ के अध्यक्ष सूरज धवन ने बताया कि इस संस्करण में 1,200 से अधिक उद्योग जगत के नेता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इस कार्यक्रम ने पूरे भारत और दुनिया भर से सीईओ, प्रबंध निदेशक और प्रमुख निर्णय निर्माताओं को एक साथ लाया है। इनमें प्रदर्शनी आयोजक, व्यापारिक निकायों और क्षेत्रीय संघों के प्रमुख, सरकारी अधिकारी, सेवा प्रदाता और कार्यक्रम स्थलों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस अवसर पर यमुना प्राधिकरण (येइडा) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसके भाटिया, इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड के अध्यक्ष राकेश कुमार, आईईआईए के मानद सचिव जगदीश पाटनकर, एमएसएमई मंत्रालय की संयुक्त सचिव मर्सी एपाओ, जेडब्ल्यूसी और जीएमबीएच के वरिष्ठ सलाहकार सेबेस्टियन विट समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सल समर्थक गीत पर नृत्य मामले में पांच पर मामला दर्ज

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की एटापल्ली तहसील के कृष्णार गांव में आयोजित एक विवाह समारोह के दौरान नक्सली संगठन के कुख्यात कमांडर हिडमा माडवी के जीवन पर आधारित कथित गीत पर नृत्य किए जाने के मामले में पुलिस ने 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बीती 6 मई की रात एक शादी समारोह में पारंपरिक आदिवासी नृत्य चल रहा था, तभी यह विवादित घटना सामने आई। पुलिस के अनुसार, बाबूराव कांदो ने कथित तौर पर 'पुलिस गांव में किसकी अनुमति से आई' और 'नक्सली ही अच्छे थे' जैसे भड़काऊ बयान दिए। साथ ही उसने 'हमारा नेता हिडमा है, उसका गाना बजाओ' जैसी बात कही। इसके बाद चैतू रूशी तेलामी ने हिडमा माडवी के जीवन पर आधारित गाना डीजे-ऑपरेटर को दिया। फिर आर्यन हिचामी और शरद कांदो ने वह गाना तेज आवाज में बजाया। इस दौरान करीब 40 से 50 युवक-युवतियों द्वारा नृत्य किए जाने की बात सामने आई है।

गुरुवार 7 मई को यह पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद पुलिस ने वीडियो की जांच की और पाया कि गाने की सामग्री नक्सल समर्थक और शासन विरोधी भावनाओं को भड़काने वाली है। पुलिस ने सिपाही रोशन कान्हुजी पुराम की शिकायत पर 5 लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और मुंबई पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

जरूरत पड़ी तो भाजपा को रोकने के लिए वाम दलों से भी सहयोग लेने में परहेज नहीं : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर अपने बयान से राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। उन्होंने कहा है कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए यदि जरूरत पड़ी तो वह वाम दलों से सहयोग लेने में भी कोई आपत्ति नहीं करेंगी।

ममता बनर्जी ने यह बयान कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास के निकट आयोजित रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती समारोह के दौरान दिया। इस अवसर पर वह अपनी पार्टी के कई विधायकों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और बंगाल के हितों की सुरक्षा के लिए सभी राजनीतिक दलों को वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर काम करना होगा।

उन्होंने भाजपा विरोधी दलों से एकजुट होने की अपील करते हुए संकेत दिया कि राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए 'अति वामपंथी' विचारधारा के साथ भी संवाद संभव है, यदि उसका उद्देश्य भाजपा को रोकना हो। ममता बनर्जी ने दावा किया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित कई विपक्षी नेताओं ने उन्हें फोन कर समर्थन का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में राजनीतिक कार्यक्रमों में भीड़ कम दिखाई दे सकती है, लेकिन जनता का समर्थन उनके साथ है।

मुख्यमंत्री ने छात्र संगठनों, गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ), सामाजिक संस्थाओं और स्वयंसेवी समूहों से भी इस अभियान में शामिल होने की अपील की। हालांकि, उन्होंने व्यापारिक वर्ग की भूमिका को लेकर संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि उनके हित अक्सर अलग होते हैं। कार्यक्रम के दौरान ममता बनर्जी ने रवीन्द्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित की और सांस्कृतिक एकता तथा सामाजिक समरसता पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से तीन स्थानों पर रवीन्द्र जयंती कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई।

सोलन नगर निगम चुनाव में पूर्व सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष ने संभाली प्रचार की कमान

सोलन। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने वर्तमान सरकार को 'एक साल का मेहमान' बताते हुए दावा किया कि कांग्रेस केवल झूठ के सहारे टिकी है और चुनाव टालने की हरसंभव कोशिश के बाद अब हार के डर से बौखलाई हुई है । यहाँ तक कि हाईकोर्ट के आदेशों और न्यायपालिका की टिप्पणियों को भी नजरअंदाज करने का प्रयास किया गया।

उन्होंने सोलन शहर की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि तेजी से बढ़ते इस शहर में कांग्रेस शासित निगम कूड़े के ढेर तक नहीं हटा पाई और प्रदेश सरकार ने पूर्व भाजपा सरकार द्वारा जारी बजट को भी वापस ले लिया, जिससे आधारभूत ढांचे का विकास पूरी तरह ठप हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शनिवार को सोलन नगर निगम चुनाव के मद्देनजर गंज बाजार में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जनसंपर्क अभियान और चुनाव प्रचार का बिगुल बजा दिया है ।जनसभा को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता अव्यवस्था और झूठे वादों से त्रस्त हो चुकी है और अब लोकतांत्रिक तरीके से सत्तापक्ष को करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है । क्योंकि भाजपा हमेशा विकास, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ जनता के बीच खड़ी रही है। उन्होंने पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने सोलन, मंडी और पालमपुर को नगर निगम का दर्जा लोगों की मांग पर ही इसी सोच के साथ दिया था कि केंद्र से मिलने वाले बजट के माध्यम से इन शहरों का कायाकल्प किया जा सके, लेकिन कांग्रेस ने सत्ता में आते ही विकास की गति रोकने के साथ-साथ मर्ज एरिया के लोगों पर टैक्स का भारी बोझ डाल दिया । जबकि भाजपा ने पांच वर्ष तक रियायत देने का वादा किया था।

जयराम ठाकुर ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू जहां भी प्रचार करने जाते हैं, वहां भाजपा को फायदा होता है, जैसा कि बंगाल और असम के चुनाव परिणामों ने सिद्ध कर दिया है । उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने पंचायती राज जैसी लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाई को कुचलने का काम किया है और अब झूठे घोषणापत्र के साथ जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है । लेकिन अब समय आ गया है कि विकास की निरंतरता के लिए भाजपा की निगम बनाई जाए ताकि भविष्य में प्रदेश और केंद्र सरकार के समन्वय से सोलन को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। उन्होंने निगम के सभी 17 प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए जनता से समर्थन मांगा और दावा किया कि अबकी बार सोलन में भाजपा की नगर निगम होगी।

अब इंडिया की जगह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' पर जोर: डॉ वोहरा

कोटा। मेड इन भारत के एम्बेसेडर व छह देशों में राजदूत रहे डॉ.दीपक वोहरा ने कहा कि अब इंडिया के स्थान पर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा पर तेजी से काम हो रहा है। वोहरा कोटा विश्वविद्यालय एवं दिवाथर्व विकास फाउंडेशन द्वारा अपने भीतर छिपी आंतरिक शक्ति को पहचाने के लिये जामवंत सीरिज पर आयोजित नेशनल सेमिनार में मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित कर रहे थे।

वोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्च में केंद्र सरकार प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढने के लिये दूरगामी कूटनीति के साथ परिवर्तन कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के बडे देशों में आंख से आंख मिलाकर बात करते हैं। हमें विश्वास है कि विकसित भारत का सपना 2030 में ही पूरा होता दिखाई देगा। पूर्वोत्तर राज्यों में अब सभी जय हिंद बोलने लगे हैं। महासागर में 50 प्रतिशत क्रूज उत्तर पश्चिम से हैं। उन्होंने बताया कि देश में 34 किलोमीटर सडकें रोज बन रही

है,100 घंटे में 100 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे का निर्माण हुआ है। 12 किलोमीटर रेलवे लाइन रोज बन रही है। मेड इन इंडिया के तहत हाइड्रोजन रेल इसी वर्ष चालू होने की उम्मीद है।

98 प्रतिशत एपल फोन भारत में बनने लगे हैं। डिजिटल भारत में प्रति सेकंड 6600 डिजिटल लेनदेन हो रही है। सर्विस सेक्टर व लॉजिस्टिक हमारी ताकत है। हम पर्वों पर शास्त्रों की पूजा करते हैं लेकिन विश्वकर्मा दिवस पर शस्त्रों की पूजा भी करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का पुराना मानचित्र गोल था, जिसमें भारतीय संस्कृति व परंपराओं को दर्शाया गया था लेकिन 1948 से 1950 के दौरान देश के नक्शे को उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम दिशाओं में बांटकर दिखाया गया। भारत को कमजोर, गुलाम, गरीब व जातियों में टूटा हुआ देश बताकर कहा गया कि यह कभी अमीर या विकसित नहीं बन सकेगा।

यहां के लोकतांत्रिक सिस्टम को तोडने का काम हुआ लेकिन 2014 से 2026 में भारत ने यह साबित कर दिया कि हमारी ताकत कितनी है। भारत न टूटा है, न ही महाशक्तियों के आगे लाचार है। एक सवाल के जवाब में डॉ. वोहरा ने कहा कि भारत में इस समय 60 हजार कॉलेज व यूनिवर्सिटी हैं। 2 नये कॉलेज रोज खुल रहे हैं। उच्च शिक्षा के बाद देश अब स्टार्टअप केपिटल बन चुका है। दुनिया में सर्वाधिक स्टार्टअप भारत में चल रहे हैं। अब डिग्री से अधिक स्किल डेवलपमेंट पर काम हो रहा है।

नई शिक्षा नीति किशोरों एवं युवाओं को भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर प्रेरित करेगी। भारत सर्कुलर इकोनॉमी के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी प्रति व्यक्ति आय पहले से अच्छी है। पहले आय का 70 प्रतिशत रोजमर्रा की चीजों पर खर्च होता था, आज 30 प्रतिशत खर्च होने से जीवन स्तर उंचा हुआ है। कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.बी.पी.सारस्वत ने कहा कि भारत जमीन का टुकड़ा नहीं, मजबूती से खडा सक्षम राष्ट्र है। यह अर्पण और तर्पण की भूमि है। जिस तरह हनुमानजी को उनकी भीतरी शक्ति याद दिलाने के लिये जामवंत आगे आये थे, आज शिक्षा संस्थानों के शिक्षक भी जामवंत बनकर अपना कर्तव्य निभायें।

जमीन से धन निकालने का झांसा देकर 15 लाख रुपये की ठगी

जोधपुर। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने जमीन में गड़ा धन निकालने का झांसा देकर करीब 15 लाख रुपये की ठगी करने वाले एक तांत्रिक को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया है। खेड़ापा पुलिस थाना में दर्ज मामले में यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपित बोरुंदा निवासी उम्मेद जोशी उर्फ दीपक जोशी पुत्र फूलचंद जोशी उर्फ राधेश्याम है। वर्तमान में वह जोधपुर के महामंदिर थाना क्षेत्र स्थित शक्तिनगर में किराए पर रहता है। पुलिस के अनुसार 6 मई को बावड़ी निवासी भगवानराम ने खेड़ापा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। भगवानराम अपने एक साथी के साथ जोधपुर स्थित बाबा के कार्यालय गया, जहां कथित तांत्रिक ने उसकी कुंडली देखकर बताया कि उसके घर में काफी सोना गड़ा है, जिसे वह निकाल सकता है। इसके बदले में तांत्रिक ने 15 लाख रुपये की मांग की।

सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं आर्थिक उत्थान के अमृतकाल में प्रवेश करेगा बंगाल : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी ने बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु को भगवा अंगवस्त्र पहनाया

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में शनिवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल की नई सरकार का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही योगी ने शुभेंदु अधिकारी को मंच पर भगवा अंगवस्त्र भी पहनाया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर शुभेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं आप (शुभेंदु अधिकारी) के ऊर्जावान नेतृत्व में 'सोनार बांग्ला' का संकल्प सिद्ध होगा और प्रदेश सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं आर्थिक उत्थान के अमृतकाल में प्रवेश करेगा। मुख्यमंत्री योगी ने लिखा कि अधिकारी का कार्यकाल बंगाल के जन-जन की आकांक्षाओं की पूर्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का स्वर्णिम अध्याय बने, माँ काली से यही प्रार्थना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी मंत्रियों को भी बधाई दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि पश्चिम बंगाल में मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी नेताओं को भी हृदयतल से बधाई! पूर्ण विश्वास है कि आप सभी जन-सेवा को सर्वोपरि मानकर 'सोनार बांग्ला' के गौरव को पुनर्स्थापित करेंगे। माँ काली की कृपा से आप सभी का कार्यकाल यशस्वी और लोक-कल्याणकारी हो। वंदे मातरम्! उल्लेखनीय है कि चुनाव प्रचार के दौरान शुभेंदु अधिकारी ने एक जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भगवा अंगवस्त्र पहनाकर उनका बंगाल की धरा पर स्वागत किया था। इसके उपरांत उनके चरणों में दण्डवत प्रणाम कर अपनी श्रद्धा निवेदित की थी।

कृषि मंत्री ने जीर्णोद्धारोपरान्त कृषि भवन का किया लोकार्पण

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि भवन के जीर्णोद्धार के उपरांत शनिवार को फीता काटकर एवं शिलालेख का अनावरण कर भवन का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने भवन के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि भवन काफी पुराना एवं जर्जर हो चुका था। विभागीय कार्यों के संचालन में असुविधा हो रही थी। इसी को देखते हुए भवन का जीर्णोद्धार कराया गया है।

उन्होंने कहा कि अब भवन पूरी तरह व्यवस्थित एवं कार्य के अनुकूल हो गया है। विभागीय कार्यों के संचालन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं को किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ किया जाए। साथ ही कृषि क्षेत्र में आधुनिक एवं नवाचारी तकनीकों को किसानों तक पहुंचाकर उन्हें अधिक से अधिक लाभान्वित किया जाए। कृषि मंत्री शाही ने कहा कि जनपद में निर्माणाधीन कृषि परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण कराया जाए। ताकि किसानों को समय से सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बैतालपुर में निर्मित कृषि प्रशिक्षण केंद्र में कृषि विभाग के साथ-साथ अन्य विभागों के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कराने के निर्देश दिए।

इस दौरान कृषि भवन पहुंचने पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बुके भेंट कर कृषि मंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम के अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने कृषि परिसर में वृक्षारोपण भी किया। लोकार्पण कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, श्रीनिवास मणि, उपनिदेशक कृषि सुभाष मौर्य, भूमि संरक्षण अधिकारी संतोष कुमार मौर्य, जिला कृषि अधिकारी उदय शंकर सिंह सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पावरफुल यूपी बना देश का नया एनर्जी हब

❖ जनभावना टाइम्स

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि यूपी अब "पावरफुल यूपी" के रूप में उभर रहा है और ऊर्जा क्षेत्र में नया इतिहास रच रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश देश में पीक पावर सप्लाई में नंबर-1 बन चुका है और 24×7 निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है।मंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के मुकाबले प्रदेश की तापीय बिजली उत्पादन क्षमता लगभग दोगुनी होकर 9,120 मेगावाट पहुंच गई है। वहीं, कुल बिजली उपलब्धता 11,803 मेगावाट से बढ़कर 22,000 मेगावाट हो गई है। पिछले चार वर्षों में प्रदेश की औसत पीक डिमांड 13 हजार मेगावाट से बढ़कर 30 हजार मेगावाट तक पहुंची है।उन्होंने बताया कि यूपी में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या 1.80 करोड़ से बढ़कर 3.70 करोड़ हो गई है और पिछले चार वर्षों में 50 लाख नए कनेक्शन दिए गए हैं। ट्रांसमिशन और वितरण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लाखों पोल और पुराने तार बदले

● पीक पावर सप्लाई में नंबर-1, 24×7 बिजली और हरित ऊर्जा में रच रहा नया इतिहास

गए हैं तथा नए सबस्टेशन स्थापित किए गए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी यूपी तेजी से आगे बढ़ रहा है। पीएम सूर्य घर योजना में प्रदेश देश में सबसे अधिक इंस्टॉलेशन करने वाला राज्य बना है। अयोध्या देश का पहला सोलर सिटी बन चुका है, जबकि सौर ऊर्जा क्षमता 3000 मेगावाट तक पहुंच गई है। बायो एनर्जी में भी यूपी देश में पहले स्थान पर है। ए.के. शर्मा ने कहा कि किसानों को मुफ्त बिजली और गांवों में 18-20 घंटे तक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

यूपी में सपा की सरकार बनने पर महाराणा प्रताप जयंती पर देंगे दो दिन का अवकाश : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार बनने पर महाराणा प्रताप जयंती पर दो दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाएगा। ये बयान शनिवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही है।

उन्होंने कहा कि सरकार आने पर रिवर फ्रंट पर महाराणा प्रताप की चेतक घोड़े के साथ भव्य प्रतिमा स्थापित कराई जाएगी, जिसमें सोने का भाला भी लगाया जाएगा। सपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि हमारी पार्टी ने हमेशा सभी वर्गों और समाज को साथ लेकर काम किया है और कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। इसी को आगे बढ़ाते हुए हम लोग सभी वर्ग और समाज को एकजुट होकर प्रदेश में होने वाले 2027 के विधान चुनाव में सपा की सरकार बनाने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां हमेशा जनता के हित में रही हैं और आगे भी गरीब, किसान, नौजवान और आम लोगों के लिए काम

किया जाएगा। इस दौरान अखिलेश यादव ने प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर रोजगार, महंगाई, भ्रष्टाचार और गरीब विरोधी बताते हुए निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि हम सब लोगों को मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया का मुक़ाबला करना पड़ेगा। अखिलेश यादव के उक्त बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक जानकार इसे उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले चुनाव को लेकर सपा की रणनीति में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ आगे बढ़ते हुए पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में हाल ही में सम्पन्न चुनावी नतीजों के बाद बदले राजनीतिक फैक्टर से जोड़कर देख रही है।

इस दौरान सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, जूही सिंह, अनुराग भदौरिया समेत पार्टी के विधायक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुकदमे में वांछित मुठभेड़ में गिरफ्तार, गोली लगने से सिपाही और आरोपी घायल

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद शाहजहांपुर के थाना जलालाबाद क्षेत्र में युवक को गोली मारने वाले वांछित आरोपित और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में आरोपित और एक सिपाही घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने शनिवार को बताया कि बीती देर रात पुलिस को सूचना मिली थी कि युवक को गोली मारकर घायल करने के मामले में वांछित आरोपित ग्राम पल्हरई से गंगा एक्सप्रेस-वे की तरफ जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने पलहरई गांव के पास चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान ग्राम पल्हरई से गंगा एक्सप्रेस-वे की ओर आने वाले संपर्क मार्ग पर एक मोटर साइकिल सवार आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने मोटरसाइकिल की रफ्तार बढ़ा दी। भागने के दौरान जल्दबाजी में उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। इसके बाद आरोपित ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आरोपित की ओर से की गई फायरिंग में सिपाही शुभम सैनी के हाथ को छूते हुए गोली निकल गई।

पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें थाना कांट क्षेत्र के गांव सैदपुर निवासी अवनीश के पैर में गोली लग गई। घायल होने के बाद पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बीते बुधवार को मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव पेहना निवासी अमित सिंह को ग्राम टापर के पास गोली मारकर घायल कर दिया गया था।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने फर्रुखाबाद में किया महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में बस अड्डा परिसर में शौर्य और पराक्रम के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जन्म-जयंती धूमधाम के साथ शनिवार को मनाई गई। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान और माल्यार्पण के साथ किया गया। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने महाराणा प्रताप के जीवन और बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनका संघर्ष और राष्ट्रभक्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। इस दौरान सांसद मुकेश राजपूत, विधायक सुशील शाक्य, मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, नागेंद्र सिंह राठौर, डॉ. सुरभि, पालिका अध्यक्ष वत्सला अग्रवाल, वीरेंद्र सिंह राठौर सहित कई जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मंच से जनपद के विकास को लेकर कई योजनाओं और कार्यों की घोषणा भी की गई। वक्ताओं ने कहा कि सरकार लगातार पर्यटन, संस्कृति और जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं पर काम कर रही है। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति के नारों के बीच महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपनाने का संकल्प भी लिया गया। इस दौरान बीरेंद्र सिंह राठौर, राघवेंद्र सिंह राजू, जितेंद्र सिंह राजावत आदि भाजपा के दिग्गज नेता मौजूद रहे।

ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत

पीलीभीत (उप्र)। पीलीभीत जिले के बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार रात ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि उनका तीसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि तीनों दोस्त देवी मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे, तभी ट्रैक्टर ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, मोहल्ला दुबे निवासी सुमित उर्फ आलोक (24), सौरभ (20) और आशीष मोटरसाइकिल से बेनीपुर मार्ग स्थित भसूड़ा पुलिया के पास बने देवी मंदिर जा रहे थे। भसूड़ा पुलिया चौराहे के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि हादसे में सुमित और सौरभ की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल आशीष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीसलपुर पहुंचाया, जहां से उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया। बीसलपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है। ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में ले लिया गया है और फरार चालक की तलाश में टीम गठित की गई हैं। पुलिस ने दोनों शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। शनिवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

कुशीनगर ईंट भट्ठे पर हादसा, गड्ढे में डूबने से तीन बच्चों की मौत

कुशीनगर। कुशीनगर जिले के कसया थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह ग्रामसभा मैनपुर के टोला दीनापट्टी स्थित एक ईंट भट्ठे पर मिट्टी निकाले से हुए गड्ढे में भरे पानी में तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक चार बच्चे खेलते हुए गड्ढे में गिर गए थे जिनमें से एक बच्ची किसी तरह बाहर निकलने में सफल रही और परिजनों को सूचना दी।

उसके बताया कि मौके पर पहुंचे परिजनों ने सभी बच्चों को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया ले गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार शनिवार की सुबह लगभग साढ़े सात बजे दीनापट्टी गांव स्थित ईंट उद्योग भट्टे पर छत्तीसगढ़ के मजदूर परिवार मजदूरी कर जीवकोपार्जन करते हैं और वहीं रहते हैं। उसने बताया कि सुबह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर निवासी पंचु का बेटा अभय (3वर्ष), जांजीबार चांपा निवासी लखन की बेटी अनन्या (7), बिलासपुर के रहने वाले सुखन की बेटी अनुष्का (ढाई वर्ष) और स्वीटी (8) साथ खेल रही थीं। पुलिस के मुताबिक खेलते-खेलते ईंट बनाने के लिए निकाले गए मिट्टी से बने गड्ढे के समीप पहुंच गए। जहां गड्ढे में बरसात का पानी भरा हुआ था। एक बच्चा गिरा तो बचाने के लिए चारों बच्चे उसे बचाने के लिए उसमें कूद गए। तीन की डूबने से मौत हो गई जबकि स्वीटी किसी तरह बाहर निकलने में सफल हुई और उसने घटना की जानकारी परिजनों को दी। कसया के थानाधिकारी आशुतोष सिंह ने बताया कि तीनों बच्चों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रयागराज में सड़क पार करते समय कारोबारी युवक की ट्रक के नीचे दबकर हुई मौत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित सराय इनायत थाना क्षेत्र के हनुमानगंज बाजार के पास शनिवार को ट्रक के नीचे दबकर युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि हादसे में उतरांव थाना क्षेत्र के चिखड़ी गांव निवासी सतीश भारतिया (22) की मौत हुई है। वह हनुमानगंज बाजार में तरबूज की दुकान लगाया हुआ था। शनिवार सुबह सड़क पार करते समय उसे एक ट्रक ने कुचला दिया। हादसे में सतीश भारतिया की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मृतक के परिवार से तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद फरार ट्रक की तलाश की जा रही है।

बीएचयू शोध टीम ने 'पलाश' के फूलों से तैयार किया शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट युक्त 'कोम्बुचा' पेय

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की शोध टीम ने सीनियर प्रोफेसर तथा वर्तमान में बीआरए बिहार विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. दिनेश चन्द्र राय के नेतृत्व में पारंपरिक औषधीय फूल 'पलाश' से शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट युक्त 'कोम्बुचा' पेय विकसित किया है।

यह शोध विश्वप्रसिद्ध एल्सेवियर ग्रुप के अंतरराष्ट्रीय जर्नल फूड एंड ह्यूमैनिटी के 2026 के अंक में प्रकाशित हुआ है। इसे वैश्विक बाजार में प्राकृतिक स्वास्थ्य पेय पदार्थों की बढ़ती मांग को देखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शनिवार को यह जानकारी बीएचयू जनसम्पर्क कार्यालय ने दी।

यह शोध एक उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय सहयोग का परिणाम है, जिसमें बीएचयू डेयरी विज्ञान और खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग से सुमन भारती और अरविन्द कुमार के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया की डीकिन यूनिवर्सिटी के सीएएसएस फूड रिसर्च सेंटर से आकांशा गुप्ता शामिल रहीं। शोध टीम की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने कहा कि यह शोध 'स्थानीय से वैश्विक' की दिशा में एक बड़ा कदम है। पलाश जैसे पारंपरिक भारतीय फूलों की औषधीय शक्ति को आधुनिक विज्ञान के माध्यम से दुनिया के सामने लाना शोध टीम की बड़ी उपलब्धि है।

प्रो. राय ने कहा कि यह अनुसंधान न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करेगा, बल्कि हमारे ग्रामीण संसाधनों के मूल्यवर्धन के जरिए किसानों के लिए समृद्धि के नए मार्ग भी प्रशस्त करेगा। उन्होंने बताया कि अत्याधुनिक तकनीकों जैसे हाई-रिज़ॉल्यूशन सटीक मास स्पेक्ट्रोमेट्री और एटीआर-एफटीआईआर के जरिए यह सिद्ध किया कि किण्वन की प्रक्रिया पलाश के फूलों की जैविक शक्ति को कई गुना बढ़ा देती है।

शोध के दौरान यह पाया गया कि किण्वन के बाद पलाश कोम्बुचा में एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि में 22.78 फीसदी का इजाफा हुआ और पेय में कुल फेनोलिक सामग्री 126.77 से बढ़कर 263.54एमजी प्रति 100 ग्राम हो गई। इसके अतिरिक्त, विश्लेषण में होमोब्यूटिन 4-ग्लूकोसाइड और क्वेरसेटिन-3बी-डी-ग्लूकोसाइड जैसे नए मेटाबोलाइट्स की पहचान हुई, जो अपने सूजन-रोधी और तंत्रिका तंत्र की सुरक्षा गुणों के लिए विश्व स्तर पर जाने जाते हैं।

उन्होंने बताया कि व्यावसायिक दृष्टिकोण से भी यह शोध मील का पत्थर साबित हो सकता है। यह तकनीक न केवल भारतीय आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाएगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर पलाश जैसे कम उपयोग होने वाले फूलों के माध्यम से सतत कृषि और जैव विविधता को भी सहारा देगी।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ आरसीबी के बल्लेबाजों को करना होगा दमदार प्रदर्शन

रायपुर। पिछले दो मैच में हार से वापसी के लिए बेताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में उसके बल्लेबाजों को दमदार प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी और अपने पहले चार मैच जीते थे। तब उसके लिए प्लेऑफ में प्रवेश महज एक औपचारिकता लग रहा था। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। मौजूदा चैंपियन टीम अपने पिछले पांच मैचों में से तीन मैच हार गई है जिससे उसके समीकरण बिगड़ गए हैं। आरसीबी अभी 10 मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है और वह प्लेऑफ में पहुंचने का मजबूत दावेदार है। अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब आरसीबी की लय गड़बड़ाना उसके लिए चिंता का विषय होगा। आरसीबी के बल्लेबाजों को अपनी पिछली असफलता को भूलकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद में उसकी टीम केवल 155 रन ही बना पाई थी जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उसे नौ रन से हार का सामना करना पड़ा था। आरसीबी को लखनऊ के खिलाफ जीत के लिए आखिरी ओवर में 19 रन की जरूरत थी, लेकिन वह लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंच सका। आरसीबी के बल्लेबाजों को अब मुंबई इंडियंस के खिलाफ मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना होगा। इन गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह, कॉर्बिन बॉश, एएम गजनफर और विल जैक्स शामिल हैं। रायपुर आरसीबी का घरेलू मैदान है, लेकिन उसे यहां की पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। आरसीबी के बल्लेबाजों में जैकब बेथेल को बड़ा स्कोर बनाना होगा क्योंकि अभी तक वह चार पारियों में 14, 20, पांच और चार रन ही बना पाए हैं। ऐसे में उनके सलामी जोड़ीदार विराट कोहली को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पड़ रही है। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा का प्रदर्शन भी निराशाजनक है। इस सत्र में उनका उच्चतम स्कोर 23 है। जहां तक मुंबई इंडियंस की बात है तो लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच में उसने 228 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया था। रोहित शर्मा ने चोट से उबरने के बाद वापसी करते हुए 44 गेंदों में 84 रन की तूफानी पारी खेली। रोहित और उनके सलामी जोड़ीदार रयान रिकेल्टन के सामने भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड की जोड़ी का डटकर सामना करने की चुनौती होगी। मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या पीठ दर्द के कारण लखनऊ के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे और सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी की थी। हार्दिक टीम से जुड़ गए हैं लेकिन उनकी फिटनेस का सही आकलन करने के बाद ही उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा।

इस प्रकार हैं टीम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल, विक्की ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा।

मुंबई इंडियंसः जसप्रीत बुमराह, रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, विल जैक्स, क्विंटन डीकॉक, रयान रिकेल्टन, नमन धीर, कॉर्बिन बॉश, शेरफेन रदरफोर्ड, शार्दुल ठाकुर, मयंक मारकंडे, रॉबिन मिंज, राज बावा, अथर्व अंकोलेकर, मयंक रावत, रघु शर्मा, केशव महाराज, दानिश मालेवार, मोहम्मद सलाहुद्दीन इज़हार, एएम गजनफर, अश्वनी कुमार।

मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

भारतीय क्रिकेटर यशस्वी और शेफाली को डोप टेस्ट में अनुपस्थित रहने पर नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा को पिछले साल निर्धारित डोप परीक्षण के लिए उपलब्ध न होने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने नोटिस जारी किया है। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि नाडा के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) का हिस्सा रहे दोनों खिलाड़ियों ने परीक्षण के लिए उपलब्ध नहीं रहने के कारण नहीं बताए हैं। इस कारण उन्हें नोटिस जारी किए गए। एक विश्वसनीय सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''संबंधित खिलाड़ियों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और इसकी सूचना राष्ट्रीय महासंघ (बीसीसीआई) और आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) को भी दे दी गई है।'' नाडा ने हालांकि गोपनीयता का हवाला देते हुए इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने संपर्क करने पर इसकी पुष्टि की। सूत्र ने कहा, ''हमें नाडा से छूटे हुए परीक्षणों के बारे में सूचना मिली है। हम पता लगाएंगे कि ऐसा कैसे हुआ। भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए हम जरूरी उपाय करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी हो गई है और हमें सभी प्रोटोकॉल का पालन करना होगा ताकि सब कुछ सुचारू रूप से आगे बढ़े।'' क्रिकेट को 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया है। यशस्वी फिलहाल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रही हैं, जबकि शेफाली उस भारतीय महिला टीम का हिस्सा थीं जिसने हाल ही में सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था। आरटीपी में शामिल खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ अपने ठिकाने की जानकारी साझा करनी होती है और प्रतिदिन किसी तय की गई समय सीमा में परीक्षण के लिए उपलब्ध रहना होता है। तीन बार टेस्ट न देना डोपिंग का उल्लंघन माना जाता है और इसके कारण खिलाड़ी को निलंबित भी किया जा सकता है। अभी नाडा की आरटीपी सूची में 348 खिलाड़ी शामिल हैं जिनमें 13 क्रिकेटर हैं। भारत के टी20 टीम के धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ऑलराउंडर अक्षर पटेल को हाल में ही इस सूची में शामिल किया गया था। उन्होंने स्मृति मंधाना और श्रेयस अय्यर की जगह ली है।

ओडिशा ओपन की पुरस्कार राशि न मिलने पर गुप्ता ने खेल मंत्रालय का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अभिजीत गुप्ता ने इस साल की शुरुआत में ओडिशा ओपन शतरंज टूर्नामेंट की खिताबी पुरस्कार राशि नहीं मिलने पर निराशा व्यक्त की और खेल मंत्रालय से इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। अभिजीत ने इस संबंध में अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) को भी पत्र लिखा था लेकिन उनकी तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की गई और उन्हें पुरस्कार राशि नहीं मिली। इस कारण उन्हें अब खेल मंत्रालय से हस्तक्षेप की गुहार लगानी पड़ी है। सूत्रों के अनुसार ओडिशा शतरंज संघ में आंतरिक कलह चल रहा है और उसका बैंक खाता फ्रीज हो गया है, जिससे आयोजक बकाया राशि का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। अभिजीत ने एक्स पर लिखा, ''मैं खेल मंत्रालय से विनम्र अनुरोध करता हूं कि वह इस मामले पर गौर करे और यह सुनिश्चित करने में मदद करे कि खिलाड़ियों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ उनकी उचित पुरस्कार राशि मिले।'' उन्होंने कहा, ''यह केवल एक पुरस्कार राशि का मामला नहीं है। यह भारत के प्रत्येक शतरंज खिलाड़ी की गरिमा और विश्वास से जुड़ा मामला भी है।'' अभिजीत ने जनवरी में यह प्रतियोगिता जीती थी और उनका दावा है कि आयोजकों पर उनका 5.5 लाख रुपये का बकाया है। उन्होंने पीटीआई से कहा, ''मैंने इस साल जनवरी में ओडिशा ओपन का खिताब जीता था। आयोजकों ने मुझे आश्वासन दिया था कि पुरस्कार राशि एक महीने के अंदर भुगतान कर दी जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद जब मैंने उनसे इस बारे में पूछताछ की तो उन्होंने जवाब देना बंद कर दिया।'' अभिजीत ने कहा, ''जीत और हार एक खिलाड़ी के सफर का हिस्सा हैं लेकिन दुख तब होता है जब आप जीत जाते हैं और फिर भी आपको वह नहीं मिलता जिसके आप हकदार हैं।'' एआईसीएफ के एक सूत्र ने बताया कि ओडिशा ओपन के आयोजक गुप्ता को भुगतान नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि राज्य संघ के भीतर चल रहे आंतरिक कलह के कारण उनका बैंक खाता फ्रीज कर दिया गया था।

प्लेऑफ की उम्मीद जीवंत रखने के लिए एलएसजी से भिड़ेगा सीएसके

चेन्नई। अंकतालिका में छठे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए रविवार को यहां सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब सीएसके शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। उसके अभी तक के अभियान में निरंतरता का अभाव रहा है। उसने अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान दोनों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। पांच बार का चैंपियन सीएसके अब चेपॉक में वापसी करेगा। उसके पास एलएसजी के खिलाफ लय हासिल करने का बेहतरीन मौका है। लखनऊ की टीम के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा और वह प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। सीएसके का पूरा अभियान काफी हद तक संजू सैमसन के इर्द-गिर्द घूमता रहा है, जिनकी शीर्ष क्रम में अच्छी पारियों ने अक्सर टीम की किस्मत तय की है।

जहां टीम के नए खिलाड़ी सैमसन बल्लेबाजी के आधार स्तंभ के रूप में उभरे हैं, वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ बल्लेबाजी में निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रुतुराज ने इस महीने की शुरुआत में 74 और 67 रन की महत्वपूर्ण पारियों के साथ फॉर्म में वापसी की है। वह हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में असफल रहे, जहां सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की मैच विजेता पारी खेली। सीएसके की टीम को मध्य क्रम के बल्लेबाजों डेवाल्ड ब्रेविस, कार्तिक शर्मा, जेमी ओवरटन और शिवम दुबे से भी अच्छे योगदान की उम्मीद होगी। महेंद्र सिंह धोनी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिंडली की चोट के कारण अभी तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। उन्होंने हालांकि नेट पर अभ्यास किया है, लेकिन उन्हें अभी तक अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली है। मौजूदा टूर्नामेंट के दौरान चेपॉक की पिचों के व्यवहार में बदलाव देखने को मिला। अब यह अपनी पारंपरिक रूप से बेहद धीमी और स्पिन गेंदबाजों की मददगार प्रकृति से बदलकर अधिक संतुलित और बल्लेबाजों के लिए अनुकूल हो गई हैं। इसके बावजूद यहां स्पिनरों को कुछ मदद मिल रही है। ऐसे में बीच के ओवरों में अकील हुसैन और नूर अहमद की जोड़ी सीएसके के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। अगर एलएसजी की बात करें तो उसके लिए यह सत्र निराशाजनक रहा है। उसने 10 मैच में केवल तीन जीत हासिल की हैं और वह तालिका में सबसे नीचे (10वें स्थान पर) है।

टीम इस प्रकार हैं:

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, अमन खान।

लखनऊ सुपर जायंट्सः ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

मैच दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा।

डब्ल्यूएफआई ने विनेश को नोटिस जारी किया, 26 जून तक खेल नहीं सकती

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने विनेश फोगाट पर अनुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए शनिवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया और यूडब्ल्यूडब्ल्यू के डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी के लिये छह महीने का अनिवार्य नोटिस नहीं देने के कारण 26 जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंटों में उनके भाग लेने पर रोक लगा दी । पंद्रह पन्ने के नोटिस में डब्ल्यूएफआई ने आरोप लगाया कि विनेश के आचरण से देश को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है, भारतीय कुश्ती की छवि खराब हुई है, डब्ल्यूएफआई संविधान के प्रावधानों, यूडब्ल्यूडब्ल्यू अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के नियमों और डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन हुआ है । महासंघ ने उनसे चार प्रमुख आरोपों पर सफाई मांगी है जिसमें 2024 पेरिस ओलंपिक से अयोग्य करार दिये जाने, डोपिंग रोधी नियमों के तहत ठौर ठिकाना बताने में कथित तौर पर नाकाम रहने और आईओए द्वारा नियुक्त तत्कालीन तदर्थ समिति द्वारा मार्च 2024 में कराये गए ट्रायल में दो भार वर्गों में भाग लेना शामिल है । महासंघ ने साफ तौर पर कहा है कि वह इस साल 26 जून तक किसी घरेलू टूर्नामेंट में भाग नहीं ले सकती जिसमें गोंडा में 10 से 12 मई तक होने वाला राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट शामिल है । नोटिस में कहा गया ,'' महासंघ को इस बात से संतुष्ट होना होगा कि आपने डोपिंग रोधी नियमों का कोई ऐसा उल्लंघन नहीं किया है, जिसके कारण आप भविष्य में होने वाली किसी भी प्रतियोगिता में महासंघ का प्रतिनिधित्व करने के अयोग्य हो जायें ।

पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई, एपीवाई ने नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करने के 11 वर्ष किए पूरे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने देशभर में नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा कवर प्रदान करने के 11 साल पूरे कर लिए हैं। इनके तहत अब तक 58 करोड़ (पीएमएसबीवाई), 27 करोड़ (पीएमजेजेबीवाई) और 9 करोड़ (एपीवाई) लोगों का नामांकन हो चुका है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि इन योजनाओं की परिकल्पना सभी को विशेष रूप से समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को किफायती वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। ये जन सुरक्षा योजनाएं 9 मई 2015 को शुरू की गई थीं, जो करोड़ों नागरिकों को बीमा और पेंशन का कवच प्रदान कर रही हैं। भारत सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में शामिल इन तीनों प्रमुख योजनाओं का उद्देश्य नागरिकों को जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करके और दीर्घकालिक वित्तीय सुदृढ़ता को बढ़ावा देकर, बीमा और पेंशन के दायरे का विस्तार करना है। ये तीनों सरकारी सहायता प्राप्त कार्यक्रम जीवन बीमा, दुर्घटना कवरेज और रिटायरमेंट पेंशन की सुविधा देते हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन योजनाओं के बारे में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कम लागत पर बीमा और पेंशन लाभ प्रदान करने के लिए 'जन सुरक्षा' योजनाओं की शुरुआत की थी, जिनमें पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 27 करोड़ से ज्यादा, पीएम सुरक्षा बीमा योजना में 58 करोड़ और अटल पेंशन योजना के तहत 9 करोड़ नामांकन किए गए हैं। सीतारमण ने कहा कि पीएमजेजेबीवाई योजना के तहत 10.7 लाख से ज्यादा परिवारों के लिए 21 हजार 500 करोड़ रुपये से ज्यादा के दावों का निपटारा किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि पीएमएसबीवाई के तहत 1.84 लाख से ज्यादा परिवारों के लगभग 3,660 करोड़ रुपये के क्लेम का निपटारा किया गया है। सीतारमण ने सभी हितधारकों की सराहना की जिनमें बैंकों और बीमा कंपनियों के फील्ड अधिकारी भी शामिल हैं, जिनके समर्पित प्रयासों से ये योजनाएं इतनी सफल हो पाई हैं। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य अत्यंत गरीब लोगों को बीमा कवरेज और पेंशन सहायता प्रदान करना है। इन योजनाओं का एक मुख्य केंद्रबिंदु नामांकन और दावों की प्रक्रिया का डिजिटलीकरण और सरलीकरण रहा है। चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि ऑनलाइन 'जन सुरक्षा पोर्टल' के लॉन्च से नागरिकों के लिए बैंक शाखाओं या डाकघरों में जाए बिना ही आसानी से पंजीकरण कराना संभव हो गया है। उन्होंने कहा कि दावों की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने से उनका निपटारा तेजी से सुनिश्चित हुआ है, जिससे शोक संतप्त परिवारों को उस समय पर समयोचित सहायता मिल पाती है, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

आरबीआई अधिकारियों ने पदोन्नति नीति में सुधार के लिए गवर्नर से हस्तक्षेप की मांग की

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधिकारियों के संगठन ने गवर्नर संजय मल्होत्रा को पत्र लिखकर पदोन्नति नीति में संशोधन के लिए हस्तक्षेप करने और समयबद्ध पदोन्नति प्रणाली बहाल करने की मांग की है। आरबीआई के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों और मुंबई स्थित केंद्रीय मुख्यालय में कार्यरत अधिकारियों ने शुक्रवार को नई पदोन्नति नीति के खिलाफ प्रदर्शन किया। नई नीति में पदोन्नति को रिक्तियों की उपलब्धता से जोड़ा गया है, जबकि पहले समयबद्ध पदोन्नति प्रणाली लागू थी। 'रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन' (आरबीआईओए) ने आठ मई के पत्र में कहा कि केंद्रीय बैंक ने उनकी गंभीर चिंताओं, आपत्तियों और रचनात्मक सुझावों पर पर्याप्त विचार किए बिना संशोधित पदोन्नति नीति को लागू करने का निर्णय लिया है, जिससे अधिकारी समुदाय में व्यापक असंतोष, निराशा और मनोबल में गिरावट आई है। संगठन ने कहा कि विभिन्न ग्रेड में पदोन्नति रुकने से विशेषकर युवा अधिकारियों में असंतोष बढ़ रहा है, जिन्हें लंबे समय तक एक ही पद पर बने रहने की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में कहा गया है कि पूर्व में विभिन्न बैठकों में गवर्नर ने समयबद्ध पदोन्नति की संभावना का संकेत दिया था, लेकिन अंतिम नीति में इस पहलू को शामिल नहीं किया गया। आरबीआईओए के अनुसार, लगभग 8,000 आरबीआई अधिकारी इस बदलाव से प्रभावित हो सकते हैं। संगठन ने मांग की कि संशोधित नीति को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाए और आरबीआईओए के साथ विस्तृत परामर्श कर इसकी समीक्षा की जाए। आरबीआईओए ने कहा, ''हम शीर्ष प्रबंधन से अनुरोध करते हैं कि इस मामले पर तत्काल पुनर्विचार किया जाए और सगठन के साथ परामर्श कर संशोधित पदोन्नति नीति की व्यापक समीक्षा शुरू की जाए।

श्रम सुधार: सरकार ने नियमों को अधिसूचित कर चार नई संहिताओं को पूरी तरह लागू किया

नई दिल्ली। पांच साल से अधिक के लंबे इंतजार के बाद केंद्र सरकार ने नियमों को अधिसूचित कर चार श्रम संहिताओं को पूरी तरह से लागू कर दिया है। इसका उद्देश्य सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है। चार श्रम संहिताओं में वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थिति संहिता, 2020 शामिल हैं। ये सभी 21 नवंबर, 2025 से प्रभावी हो गई थीं। इन संहिताओं को 29 मौजूदा श्रम कानूनों को एकीकृत कर एक सरल और आधुनिक ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अब इन चारों संहिताओं के तहत नियमों को राजपत्र में अधिसूचित कर दिया गया है और इसके साथ ही इनके पूर्ण क्रियान्वयन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि यद्यपि श्रम संहिताएं 21 नवंबर, 2025 को कानून बन गई थीं, लेकिन नियमों के अभाव में कुछ प्रावधान स्पष्ट नहीं हो पाए थे। मसौदा नियम 30 दिसंबर, 2025 को हितधारकों की प्रतिक्रिया के लिए जारी किए गए थे, जिन्हें विधिक जांच के बाद अंतिम रूप देकर अधिसूचित किया गया। इन नियमों का प्रकाशन संहिताओं को पूरी तरह लागू करने के लिए आवश्यक था। चार संहिताओं में 29 श्रम कानूनों को समेटने का उद्देश्य लंबे समय से चली आ रही जटिलताओं को दूर करना और प्रणाली को अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाना है। इसका उद्देश्य व्यापार करने में सुगमता बढ़ाना, रोजगार सृजन को प्रोत्साहन देना तथा प्रत्येक श्रमिक के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक व वेतन सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

'सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को आगे बढ़ा रही पीएमजेजेबीवाई: एलआईसी सीईओ

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरईस्वामी ने कहा कि 'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' (पीएमजेजेबीवाई) सरकार के 'सभी के लिए बीमा' लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभा रही है। दुरईस्वामी ने इस योजना की 11वीं वर्षगांठ की पूर्व-संध्या पर कहा, 'वर्ष 2015 में योजना की शुरुआत के समय देश की केवल लगभग 20 प्रतिशत आबादी तक ही किसी न किसी तरह का बीमा कवर था। यह अंतर ऐसे बीमा उत्पादों की कमी को दर्शाता था जो कम आय वर्ग तक की पहुंच में हों, उनकी भुगतान क्षमता के अनुरूप हों और जिन तक लोग अपने मौजूदा माध्यमों के जरिए आसानी से पहुंच सकें। पीएमजेजेबीवाई एक-वर्षीय टर्म बीमा योजना है, जिसके तहत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के बैंक खाताधारकों को दो लाख रुपये का जीवन बीमा कवर मिलता है। इसमें किसी भी कारण से मृत्यु होने पर लाभ दिया जाता है और पहले से मौजूद बीमारियों को लेकर कोई अपवाद नहीं है। दुरईस्वामी ने कहा कि सरकार की वित्तीय समावेशन की यात्रा चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ी। इसके लिए वर्ष 2014 में 'प्रधानमंत्री जन धन योजना' शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य हर नागरिक को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना था। उन्होंने कहा, ''बैंक खाता इस ढांचे की नींव था और इसके एक वर्ष बाद नौ मई 2015 को प्रधानमंत्री द्वारा तीन योजनाएं एक साथ शुरू की गईं।

सैमसंग ने भारत में अपने प्रमुख नवाचार, शिक्षा कार्यक्रम के पांचवें संस्करण की शुरुआत की

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने भारत में अपने प्रमुख नवाचार और शिक्षा कार्यक्रम 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो' के पांचवें संस्करण को शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह कार्यक्रम भारत की अगली पीढ़ी के युवा नवोन्मेषकों को वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए प्रौद्योगिकी आधारित उपाय विकसित करने के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। कंपनी के अनुसार, वर्ष 2026 के संस्करण में शीर्ष चार विजेता टीमों को दो करोड़ रुपये तक का 'इनक्यूबेशन' अनुदान दिया जाएगा, जिससे वे अपने विचारों को आगे विकसित कर सकें। इसके लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में इनक्यूबेशन सहायता भी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, शीर्ष 20 टीमों को 20 लाख रुपये तथा उसके बाद शीर्ष 40 टीमों को आठ लाख रुपये के साथ सैमसंग के उपकरण और मेंटरशिप सहायता दी जाएगी। सैमसंग अध्यक्ष (दक्षिण पश्चिम एशिया) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जे बी पार्क ने कहा, ''2026 संस्करण के साथ हम नवाचार को भारत के अधिक गहराई तक ले जा रहे हैं, स्कूली स्तर तक अपनी पहुंच को दोगुना से भी अधिक बढ़ा रहे हैं और युवा परिवर्तनकर्ताओं के लिए अवसरों के दायरे का विस्तार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम डिजाइन आधारित सोच, कौशल विकास, उद्योग अनुभव और स्टार्टअप सहायता के माध्यम से भारत की नवाचार यात्रा को सशक्त बनाने के प्रति सैमसंग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो 'डिजिटल इंडिया' के दृष्टिकोण के अनुरूप है। कंपनी ने कहा कि भारत में 30 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सैमसंग इस कार्यक्रम के दायरे और महत्वाकांक्षा को और बढ़ा रही है, जिससे देश के नवाचार तंत्र को मजबूती मिलेगी।

रश्मिका मंदाना ने 'माइसा' की शूटिंग पूरी होने पर जताई खुशी

मुंबई। अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'माइसा' की शूटिंग बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने केरल में पूरी कर ली है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह फिल्म की टीम के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रही हैं। शूटिंग की थकान के बावजूद वीडियो में पूरी टीम के चेहरे पर काम पूरा होने की खुशी साफ दिखाई दे रही है। रश्मिका मंदाना ने वीडियो साझा करते हुए लिखा कि केरल में फिल्म का लंबा शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। उन्होंने टीम की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को संभव बनाने में सभी लोगों ने काफी मेहनत की है। अभिनेत्री ने सभी का दिल से धन्यवाद करते हुए कहा कि वह जल्द ही दोबारा फिल्म के सेट पर वापसी करेंगी। बताया जा रहा है कि फिल्म 'माइसा' में रश्मिका मंदाना का किरदार उनके अब तक के निभाए गए किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होगा। फिल्म के कई महत्वपूर्ण दृश्य केरल की खूबसूरत लोकेशनों पर फिल्माए गए हैं। रश्मिका ने अपने पोस्ट में फिल्म के निर्देशक रविंद्र पुल्ले और प्रोडक्शन हाउस 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' को भी टैग करते हुए इस अनुभव को खास बताया। 'माइसा' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला के किरदार में दिखाई देंगी। फिल्म का निर्देशन रविंद्र पुल्ले कर रहे हैं, जबकि अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने इसे अपने बैनर 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' के तहत प्रोड्यूस किया है। निर्माताओं के अनुसार फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है और इसमें एक्शन के साथ दमदार भावनात्मक कहानी भी देखने को मिलेगी। फिल्म को हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

हालांकि अभी तक फिल्म की रिलीज तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन दर्शकों के बीच इसे लेकर काफी उत्साह बना हुआ है। 'माइसा' के अलावा रश्मिका मंदाना अपनी दूसरी बड़ी फिल्मों को लेकर भी चर्चा में हैं। वह जल्द ही शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ फिल्म 'कॉकटेल-2' में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। जानकारी के अनुसार यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'कॉकटेल-2' का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।

गदर 3 की आधिकारिक पुष्टि: अमीषा पटेल ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर किया बड़ा खुलासा

हैदराबाद। 'गदर' फेम अभिनेत्री अमीषा पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर बैक-टू-बैक पोस्ट के जरिए 'गदर 3' के आने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। उन्होंने फिल्म के बारे में अपडेट साझा करते हुए बताया कि 'गदर 3' पक्का आएगी और जब यह सिनेमाघरों में दस्तक देगी, तो जबरदस्त हंगामा मचेगा। अमीषा के अनुसार, इस बार फिल्म का स्केल और स्क्रिप्ट पहले से कहीं अधिक भव्य और शक्तिशाली होगी। 'गदर 2' की शानदार सफलता के बाद अब फैंस को तारा सिंह और सकीना की अगली कहानी का बेसब्री से इंतजार है। अमीषा ने अपने पोस्ट में बॉलीवुड में चल रहे 'फेक पीआर' कल्चर पर भी तीखा प्रहार किया है। उन्होंने बिना नाम लिए कई अभिनेत्रियों पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन एक्ट्रेसेस ने अपने करियर में 200 करोड़ की एक भी फिल्म नहीं दी, वे अपनी पीआर टीमों को पैसे देकर खुद को नंबर 1 और नंबर 2 कहलवा रही हैं। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि खुद को 'सुपरस्टार' तभी कहें जब आपने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा हो, न कि पीआर स्टंट के जरिए खुद को बड़ा दिखाने की कोशिश करें। अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का जिक्र करते हुए अमीषा ने कहा कि 'कहो ना प्यार है', 'गदर 1' और 'गदर 2' के रूप में उन्होंने तीन सबसे बड़ी सोलो ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उन्होंने गर्व से कहा कि ये फिल्में आज भी उनके को-स्टार्स के करियर की सबसे बड़ी हिट्स मानी जाती हैं। अभिनेत्री ने यह भी स्वीकार किया कि अन्य अभिनेत्रियों के मुकाबले उनकी 'फेक पीआर मशीनरी' थोड़ी कमजोर है, लेकिन उनके पास दर्शकों का वास्तविक प्यार और भगवान का आशीर्वाद है, जिसके दम पर 'गदर 3' बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ से अधिक की कमाई करेगी।

बोमन ईरानी ने साझा कीं अपने जीवन से जुड़ी कई यादें

मुंबई। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता बोमन ईरानी ने अपने खास इनिशिएटिव 'स्पायरल बाउंड' की सफलता का जश्न मनाया। यह केवल एक प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि एक ऐसी कम्युनिटी बन चुका है जहां लोग आत्मविश्वास हासिल कर रहे हैं। कहानियों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ना सीख रहे हैं। इस खास मौके पर बोमन ईरानी ने अपने जीवन से जुड़ी कई भावुक यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि कहानी सुनाने और फिल्मों के प्रति उनका लगाव बचपन से ही शुरू हो गया था और इसकी सबसे बड़ी वजह उनकी मां थीं। बोमन ने कहा कि जब वह सिर्फ 11 साल के थे, तब उन्हें फिल्मों के बारे में वह सब पता था जो शायद उस उम्र में बच्चों को नहीं पता होता। उन्होंने बताया कि उनकी मां एक दुकानदार थीं और पति के निधन के बाद अकेले ही परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। कठिन परिस्थितियों के बावजूद वह हमेशा यह सुनिश्चित करती थीं कि उनका बेटा अच्छी फिल्में देखे और उनसे कुछ सीखे। बोमन ईरानी ने अपने पिता की यादों का जिक्र करते हुए बताया कि उनकी मां अक्सर उन्हें उनके पिता की पसंदीदा फिल्मों के बारे में बताती थीं। उन्होंने कहा कि उनकी मां उन्हें फिल्मों की कहानी समझाती थीं और अलग-अलग फिल्मों के बारे में दिलचस्प बातें बताती थीं। बोमन ने याद किया कि ग्रांट रोड स्थित नॉवेल्टी सिनेमा में उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में देखीं। उन्होंने यह भी बताया कि कभी-कभी वह अपनी दुकान की दीवार से कान लगाकर थिएटर में चल रही फिल्मों की आवाज सुना करते थे, क्योंकि दुकान थिएटर के बिल्कुल पास थी। अपने बचपन का एक खास किस्सा साझा करते हुए बोमन ने बताया कि जब वह 11 साल के थे, तब वह एक बुजुर्ग व्यक्ति फारूद अंकल को फिल्म 'एल सिड' दिखाने ले गए थे।

भारत, आईओएम ने प्रवासन के नियमित मार्गों के विस्तार पर चर्चा की

संयुक्त राष्ट्र। भारत और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने प्रवासन के नियमित मार्गों के विस्तार और उनमें विविधता लाने पर चर्चा की। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने शुक्रवार को यहां वैश्विक प्रवासन समझौते (जीसीएम) के दूसरे अंतरराष्ट्रीय प्रवासन समीक्षा मंच (आईएमआरएफ) से इतर आईओएम की महानिदेशक एमी पोप से मुलाकात की। सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''चर्चा प्रवासन के नियमित मार्गों के विस्तार और उनमें विविधता लाने तथा भारत में जीसीएम के क्रियान्वयन एवं आईओएम की गतिविधियों को लेकर भारत के सक्रिय रुख पर केंद्रित रही।'' आईओएम प्रवासन के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र से संबंधित प्रमुख अंतर-सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना 1951 में मानवीय और व्यवस्थित प्रवासन को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। यह दुनिया भर में मानवीय सहायता उपलब्ध कराता है, प्रवासियों के प्रवाह का प्रबंधन करता है और विस्थापित आबादी की मदद करता है। सिंह ने कनाडा की आव्रजन, शरणार्थी एवं नागरिकता मंत्री लेना मेटलेज दिआब से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, ''चर्चा कनाडा-भारत प्रवासन पहल और कुशल कार्यबल तथा छात्रों की आवाजाही से जुड़े आपसी हितों के क्षेत्रों पर केंद्रित रही।'' सिंह रविवार को यहां पहुंचे थे। वह संयुक्त राष्ट्र महासभा के तत्वावधान में चार से आठ मई तक आयोजित दूसरे अंतरराष्ट्रीय प्रवासन समीक्षा मंच में भाग लेने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में मुलाकात की और इसे ''सार्थक बैठक'' बताया। सिंह ने आईएमआरएफ के पूर्ण सत्र में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा 'लेवरेजिंग डिजिटल इनोवेशन इन माइग्रेशन गवर्नेंस : द ई-माइग्रेट एक्सपीरियंस ऑफ इंडिया' (प्रवासन प्रशासन में डिजिटल नवोन्मेष का उपयोग : भारत का ई-प्रवासन अनुभव) विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित किया।

क्रिकेट ने भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के रिश्तों को दी खास पहचान: जयशंकर

पोर्ट ऑफ स्पेन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां आयोजित एक ध्वजारोहण समारोह में भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच गहरे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि क्रिकेट ने दोनों देशों के रिश्तों को एक ''विशेष आयाम'' दिया है। जयशंकर जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के तीन देशों के दौरे के अंतिम चरण में शुक्रवार को पारामारिबो से पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। इस दौरे का मकसद कैरेबियाई देशों के साथ भारत के रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करना है।

विदेश और कैरिकॉम (कैरेबियन कम्युनिटी एंड कॉमन मार्केट) मामलों के मंत्रालय में आयोजित समारोह में जयशंकर ने कहा, ''भारत के त्रिनिदाद एवं टोबैगो के साथ परंपरागत रूप से बेहद हमेशा से बेहद आत्मीय और मित्रतापूर्ण रहे हैं। ये संबंध साझा इतिहास, उपनिवेशवाद के खिलाफ हमारे संघर्ष और क्रिकेट के हमारे विशेष जुड़ाव पर आधारित हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अगर हमारे संबंधों को कोई खास आयाम देता है तो वह निश्चित रूप से क्रिकेट है।'' विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि भारतीय लंबे समय से वेस्टइंडीज के क्रिकेटरों के प्रशंसक रहे हैं। त्रिनिदाद एवं टोबैगो कैरेबियाई क्रिकेट का एक परंपरागत गढ़ है और ब्रायन लारा तथा इयान बिशप जैसे कई महान वेस्टइंडीज क्रिकेटरों की जन्मभूमि है।

जयशंकर ने समारोह में उपस्थित खिलाड़ी लारा की प्रशंसा करते हुए कहा, ''हर कोई जानता है कि हम भारतीय लंबे समय से वेस्टइंडीज के क्रिकेटर के बड़े प्रशंसक रहे हैं। मुझे यकीन है कि लारा भी इससे सहमत होंगे।'' उन्होंने सुनील नरेन, कीरोन पोलार्ड और निकोलस पूरन जैसे समकालीन खिलाड़ियों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि ये क्रिकेटर भारत में खासा लोकप्रिय हैं। जयशंकर ने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक समानताओं को भी रेखांकित करते हुए कहा कि खान-पान, खेल, पहनावे और परंपराओं में दोनों देशों के लोगों के बीच काफी समानता है।

उन्होंने यह भी बताया कि त्रिनिदाद एवं टोबैगो में दिवाली, फगुआ (होली का इंडो-कैरेबियन नाम) और ईद बड़े उत्साह के साथ मनाए जाते हैं, जबकि भारतीय संगीत, नृत्य, टेलीविजन धारावाहिक और फिल्में वहां खासी लोकप्रिय हैं। इससे पहले जयशंकर ने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर से मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग व क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। वह प्रधानमंत्री के साथ उस कार्यक्रम में भी शामिल हुए जहां त्रिनिदाद एवं टोबैगो के स्कूली बच्चों को भारत में बने लैपटॉप वितरित किए गए। जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले साल की गई प्रतिबद्धता को पूरा करती है और कहा, ''यह सीखने, जागरुकता और अवसर का संदेश है।'' जयशंकर का स्वागत विदेश मंत्री शॉन सोबर्स ने किया। उन्होंने त्रिनिदाद एवं टोबैगो की संसद का भी दौरा किया और इसे अपने लिए सौभाग्य की बात बताया। उन्होंने सीनेट के अध्यक्ष वेड मार्क और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष जगदेव सिंह से भी मुलाकात की। जयशंकर ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि इस यात्रा के दौरान पर्यटन, विदेश और कैरिकॉम मामलों के मंत्रालय भवन को सौर ऊर्जा संपन्न बनाने, त्वरित प्रभाव परियोजनाओं और आयुर्वेद पीठ की स्थापना से संबंधित समझौते भी किए। उन्होंने लारा के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें भी साझा कीं और क्रिकेट के इस महान खिलाड़ी को ''अद्वितीय'' बताया।

अर्जेंटीना के अंटार्कटिक क्रूज केंद्र उशुआया ने हंटावायरस फैलाने के आरोपों से इनकार किया

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के टिएरा डेल फुएगो प्रांत के अधिकारी उस दावे का विरोध कर रहे हैं कि घातक हंटावायरस प्रकोप की शुरुआत उनके क्षेत्र से हुई। उनका कहना है कि जांच अर्जेंटीना के उन अन्य प्रांतों में होनी चाहिए, जहां संक्रमित यात्री अटलांटिक क्रूज जहाज पर सवार होने से पहले गए थे। प्रांतीय अधिकारियों ने कहा कि वायरस की उत्पत्ति टिएरा डेल फुएगो की राजधानी उशुआया के कचरे के ढेर से नहीं हुई, जैसा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने दावा किया है। उनका मानना है कि यह आरोप इस पर्यटन स्थल की छवि खराब कर रहा है। प्रांत के महामारी विज्ञान निदेशक जुआन फैकुंडो पेट्रिना ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह ''बदनाम करने का अभियान'' लगता है। उन्होंने कहा कि टिएरा डेल फुएगो में आज तक हंटावायरस का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ, जबकि अर्जेंटीना के उत्तरी प्रांतों में ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। यहां तक कि जहाज पर फैले प्रकोप से जुड़े वायरस के एंडीज स्वरूप का भी इस क्षेत्र में कभी कोई मामला नहीं मिला। उन्होंने बताया कि पुर्तगाल के जिस दंपति की इस वायरस से मौत हो गयी है, उन्होंने अर्जेंटीना और चिली की चार महीने लंबी यात्रा के दौरान टिएरा डेल फुएगो में केवल दो दिन बिताए थे तथा इससे इस बात की संभावना काफी कम हो जाती है कि संक्रमण उन्हें यहीं हुआ हो। उशुआया अंटार्कटिका का प्रमुख प्रवेश द्वार माना जाता है और यहां हर साल बड़ी संख्या में क्रूज पर्यटक आते हैं। अधिकारियों को डर है कि वायरस से जुड़ी खबरों से पर्यटन उद्योग को बड़ा नुकसान हो सकता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को घोषणा की थी कि मैलब्रान इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञ उशुआया के ढलाव घरों में चूहों को पकड़कर जांच करेंगे कि उनमें एंडीज स्वरूप मौजूद है या नहीं। हालांकि दो दिन बाद भी जांच दल वहां नहीं पहुंचा। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि राष्ट्रपति जेवियर मिली की स्वास्थ्य बजट कटौती और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से दूरी बनाने की नीति के कारण अर्जेंटीना की स्वास्थ्य व्यवस्था कमजोर हुई है।

अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के दो और तेल टैंकरों को निष्क्रिय किया

दुबई। अमेरिकी बलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी बलों के साथ गोलीबारी के बाद ईरान के दो तेल टैंकरों पर हमला कर उन्हें निष्क्रिय कर दिया। इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ईरान द्वारा एक और मिसाइल तथा ड्रोन हमला किए जाने की सूचना दी। शुक्रवार को हुए हमलों के कारण अमेरिका एवं ईरान के बीच के नाजुक युद्धविराम को लेकर संदेह और गहरा गया है। अमेरिका युद्ध समाप्त करने, जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और तेहरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने से जुड़े समझौते के अपने ताजा प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि उन्हें ईरान से ''एक गंभीर प्रस्ताव'' मिलने की उम्मीद है। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसके बलों ने ईरान के उन दो टैंकर को निष्क्रिय कर दिया, जो ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इससे कुछ घंटे पहले सेना ने कहा था कि उसने नौसेना के तीन पोतों पर हमलों को नाकाम किया और जवाबी कार्रवाई में जलडमरूमध्य में ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले किए। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को युद्ध शुरू किए जाने के बाद से ईरान ने वैश्विक ऊर्जा के लिए अहम इस जलमार्ग को काफी हद तक अवरुद्ध कर रखा है, जिससे ईंधन की कीमतों में वैश्विक स्तर पर तेज वृद्धि हुई है। अमेरिका ने भी ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी की है। इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ईरान द्वारा दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों और तीन ड्रोन को रोकने के लिए वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय की गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। यह स्पष्ट नहीं है कि सभी मिसाइलों और ड्रोन को सफलतापूर्वक रोका गया या नहीं।

अमेरिका : राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस पर व्हाइट हाउस में गूंजे वैदिक मंत्र

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में शांति की कामना के लिए वैदिक मंत्रों की गूंज सुनाई दी। अमेरिका में स्थित एक मंदिर के स्वयंसेवक ने राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए मंत्रोच्चार किए। बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्थान (बीएपीएस) के न्यू जर्सी के रॉबिन्सविले में स्थित मंदिर के एक स्वयंसेवक ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। स्वयंसेवक ने राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस समारोह में मौजूद सभी लोगों से आंखें बंद करने और हाथ जोड़ने का आग्रह किया। इसके बाद उन्होंने यजुर्वेद के शांति पाठ के मंत्रों का उच्चारण करते हुए विश्व शांति की कामना की। शांति पाठ में स्वर्ग, आकाश, पृथ्वी, जल, वनस्पतियों, वृक्षों, देवताओं और स्वयं के भीतर शांति की प्रार्थना की जाती है। स्वयंसेवक ने कहा, ''पूरे बीएपीएस सॉवरेन फेलोशिप, न्यू जर्सी के रॉबिन्सविले स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम परिसर और हमारे गुरु, गुरु हरि मोहन स्वामी महाराज की ओर से हम इस अवसर के लिए आपका धन्यवाद करते हैं।'' अमेरिका में राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस 1952 में कांग्रेस द्वारा पारित एक कानून के तहत हर वर्ष मई के पहले बृहस्पतिवार को मनाया जाता है। बीएपीएस के सार्वजनिक मामलों से संबंधी इकाई ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''बीएपीएस को कल व्हाइट हाउस में आयोजित राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस में भाग लेने का सम्मान मिला, जहां बीएपीएस के एक स्वयंसेवक ने शांति और एकता के लिए हिंदू प्रार्थना प्रस्तुत की। जैसे-जैसे अमेरिका अपनी स्वतंत्रता के 250 वर्ष पूरे करने की ओर बढ़ रहा है, ऐसे क्षण हमें याद दिलाते हैं कि आस्था, सेवा और साझा मूल्य हमारे समुदायों को मजबूत बनाते हैं।'' अमेरिका में 75वां वार्षिक राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस बृहस्पतिवार को मनाया गया। इस दौरान अमेरिका के सभी 50 राज्यों, विभिन्न अमेरिकी क्षेत्रों और वाशिंगटन डीसी में हजारों समुदायों में प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं। इस बार की थीम थी- ''राष्ट्रों के बीच ईश्वर का गुणगान करें - हर पीढ़ी में उनकी तलाश करें।'' इस अवसर पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संदेश में कहा, ''इस राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस पर हम अमेरिका की प्रार्थना, आस्था और सर्वशक्तिमान ईश्वर में विश्वास की स्थायी परंपरा का सम्मान करते हैं।